आज मोदी करेंगे मन की बात

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

झारखंड के गुमला में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 3 उग्रवादी ढेर, एके-47 सहित हथियार बरामद

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 214 | रायपुर | रविवार 27 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

कारगिल विजय दिवस पर बोले योगी

सैनिकों ने बलिदान देकर देश की एकता-अखंडता को बरकरार रखा

संवाददाता

लखनऊ - कारगिल विजय दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित एक कार्यक्रम में शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके परिजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के वीर सैनिकों ने अपना बलिदान देकर भारत की एकता और अखंडता को बरकरार रखा। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान हमारे सैनिकों ने पलायन नहीं किया था, उसी का नतीजा है हमें विजय मिली। इस दिन भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। सीएम योगी ने कहा कि हालिया ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य क्षमताओं का नवीन प्रतीक है और यह कारगिल युद्ध की गूंज को और बुलंद करता है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था, जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी, जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी।

कारगिल विजय दिवस पर आर्मी चीफ का बयान

26वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, मैं चौथी बार कारगिल विजय दिवस के इस पावन आयोजन में सम्मिलित होकर गर्वित और भावुक महसूस कर रहा हूं...पिछले साल 2024 में हमने रजत जयंती के रूप में इस विजय गाथा का स्मरण किया...हम उन बहादुर नायकों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी ताकि हम गरिमा के साथ शांतिपूर्वक रह सकें...जो भी शक्तियां भारत की संप्रभुता, अखंडता या जनता को क्षति पहुंचाने की योजना बना रही हैं, उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा, यही भारत देश का न्यू नॉर्मल है। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा आज की भारतीय सेना न केवल वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही है, बल्कि एक गतिशील, आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार बल के रूप में हर दिन तेजी से आगे बढ़ रही है...

सर्वे : 75 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ पहले स्थान पर

मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता

एजेंसी -

नई दिल्ली प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में उभरे हैं। बिजनेस इंटेलिजेंस कंपनी Morning Consult की ओर से जारी जुलाई 2025 की ताजा सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को 75% लोगों की अप्रूवल मिली है। यह सर्वे 4 जुलाई से 10 जुलाई के बीच किया गया और इसमें 20 से अधिक देशों के नेताओं की रेटिंग शामिल की गई।

बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी अपनी पोस्ट में इस रिपोर्ट के डेटा को शेयर किया है। Morning Consult की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी पहले स्थान पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग हैं, जिनकी अप्रूवल रेटिंग 59% है। वहीं तीसरे स्थान पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई हैं, जिन्हें 57% लोगों का समर्थन प्राप्त है। इनके बाद कनाडा के मार्क कार्नी और ऑस्ट्रेलिया के एंथनी अल्बनीज़ (54%) आते हैं।

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 44% लोगों का समर्थन मिला है, लेकिन 50% लोग उनके विरोध में हैं। वहीं सबसे कम लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेताओं में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और चेक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री पेट्र फिआला शामिल हैं, जिन्हें केवल 18% लोगों का समर्थन मिला है, जबकि 74% लोग उनसे असंतुष्ट हैं।

पीएम मोदी के कार्यकाल में महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत, सरकार ने स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित किया और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कई नीतियों में बदलाव किया। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और जन धन योजना जैसी योजनाओं ने देश के गरीब और पिछड़े वर्ग को सीधे लाभ पहुँचाया। इसके अलावा, मोदी सरकार ने जीएसटी लागू कर भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नया दिशा दी और कर सुधार के माध्यम से कारोबार को सरल बनाने की कोशिश की।

दुनिया का नया विश्वास : भारत के नेतृत्व में - ताजा ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग से संदेश साफहै : जब दुनिया के अन्य बड़े नेता जनता का भरोसा खो रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी की साख लगातार बुलंद हो रही है। भारत के नेतृत्व पर वैश्विक भरोसा अमेरिका और चीन से भी ऊपर पहुंच चुका है, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा बदलाव है। अब दुनिया सिर्फभारत के उदय को नहीं देख रही- वह भारत के नेतृत्व में अपना विश्वास जता रही है, पहले से कहीं अधिक। यह भारत की अंतरराष्ट्रीय साख के लिए एक ऐतिहासिक पल है।

बंगाल का अपराजिता विधेयक अटका, राज्यपाल ने मृत्युदंड को बताया 'असंगत'

एजेंसी

राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भारतीय न्याय संहिता में प्रस्तावित बदलावों पर केंद्र द्वारा उठाई गई गंभीर आपत्तियों पर विचार के लिए अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। सूत्र ने बताया कि केंद्र ने अपनी टिप्पणी में पाया कि सितंबर 2024 में विधानसभा में पारित अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत बलात्कार के लिए सजा में बदलाव की मांग करता है जो अत्यधिक कठोर और असंगत हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि उसे विधेयक के कुछ प्रावधानों पर अपनी टिप्पणियों के संबंध में केंद्र सरकार या राज्यपाल कार्यालय से अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। विधेयक में बलात्कार के लिए सजा को बीएनएस के तहत मौजूदा न्यूनतम 10 वर्ष से बढ़ाकर शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्यु तक करने का प्रस्ताव है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, पुराने वाहनों पर रोक के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने की मांग की। दिल्ली सरकार का तर्क है कि मौजूदा पॉलिसी से मध्यम वर्ग पर अनुचित दबाव पड़ रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की है जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध है।

सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार या

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दे। यह अध्ययन वाहनों की उम्र के आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इसरो-नासा लॉन्च करेंगे दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट निसार

धरती की हर हरकत पर होगी भारत की नजर

नई दिल्ली एजेंसी

अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत एक और ऐतिहासिक छलांग लगाने को तैयार है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) मिलकर 30 जुलाई, 2025 को अपना सबसे महत्वाकांक्षी मिशन 'निसार' (NISAR) लॉन्च करेंगे। निसार, यानी नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार, दुनिया का सबसे महंगा और उन्नत पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह है जो धरती की सतह पर होने वाले सूक्ष्मतम बदलावों पर भी 24×7 नजर रखेगा।

इस बहुप्रतीक्षित सैटेलाइट को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से GSLV-F16 रॉकेट के जरिए पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने हाल ही में तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान इस लॉन्च की पुष्टि की थी।

निसार की सबसे बड़ी खासियत इसकी दोहरी फ्रीक्वेंसी रडार तकनीक (L-बैंड और S-बैंड) है, जो इसे हर मौसम में, दिन हो या रात, बादलों और बारिश के बीच भी पृथ्वी की एकदम सटीक तस्वीरें लेने में सक्षम बनाती है। यह 1 सेंटीमीटर जितने मामूली भू-परिवर्तन को भी पकड़ सकता है। इसकी यह अद्वितीय क्षमता भूकंप, ज्वालामुखी, भूस्खलन और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी करने में मील का पत्थर साबित होगी। विशेष रूप से हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए यह तकनीक जीवन रक्षक बन सकती है। यह मिशन सिर्फ आपदा प्रबंधन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय कृषि क्षेत्र में भी क्रांति लाने की क्षमता रखता है। निसार मिट्टी की नमी, फसलों की सेहत और भूजल स्तर पर सटीक डेटा मुहैया कराएगा। इस जानकारी से किसानों को फसल की योजना बनाने, सिंचाई का बेहतर प्रबंधन करने और सूखा या बाढ़ जैसी स्थितियों के लिए पहले से तैयार रहने में मदद मिलेगी।

जयपुर में बम धमकी से हड़कंप :

सीएमओ और एयरपोर्ट को उड़ाने की ईमेल से चेतावनी, पुलिस-एजेंसियां अलर्ट पर

जयपुर राजधानी जयपुर एक बार फिर बम धमकी के चलते सतर्कता के मोड पर आ गई है। शनिवार को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक संदिग्ध ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया कि 1-2 घंटे के भीतर मुख्यमंत्री कार्यालय और एयरपोर्ट को बम से उड़ा दिया जाएगा।

इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। जयपुर एयरपोर्ट पर बम स्क्वॉड, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय हो गईं और पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू की गई। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय पर भी एंटी-साबोटाज स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है।

रुद्रप्रयाग में बादल फटा, पहाड़ के मलबे में दब गए घर, केदारनाथ यात्रा बाधित, भारी बारिश से तबाही

उत्तराखंड :

देहरादून. उत्तराखंड में भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है. बारिश ने रुद्रप्रयाग के अलग-अलग इलाकों में भारी तबाही मचाई है. कहीं बादल फ्टा है तो कहीं भूस्खलन, कुदरत के इस कहर में कई घर और गाडियां जमींदोज हो गई हैं. वहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेस्क्यू टीम भी समय पर नहीं पहुंची. अब भी इलाके में मूसलाधार बारिश हो रही है. रुद्रप्रयाग के रूमशी गांव में बादल फ्ट गया. जिससे गांव में बाढ़ जैसी स्थित आ गई. भारी बारिश और पहाड़ों के दरकने से गांव वालों का घर मलबे में दब गया. लोगों ने घरों से बाहर भागकर अपनी जान बचाई. मलबे में घर और गाडियों के दबने से स्थानीय लोगों को लाखों का नुकसान हुआ है.

घरों से भागकर लोगों ने बचाई जान देर रात को हुई मूसलाधार बारिश और आकाशीय बिजली की कड़कड़ाहट से जहां पूरी केदारघाटी में तेज गर्जना के साथ मूसलाधार बारिश हुई. इस दौरान रूमशी भौसाला गांव के आस पास कई गॉव में भूस्खलन के चलते लोगों के घरों में मलबा भर गया. कई गाडियां इस मलबे में दब गयी।

विदेश | राष्ट्रपति बन व्हाइट हाउस लौटने के बाद से ट्रंप सख्त

यूरोप को ख़त्म कर रहा इमिग्रेशन, ट्रंप की यूरोपीय देशों को चेतावनी

एजेंसी

अमेरिका में अवैध शरणार्थियों पर शिकंजा कसने के बाद अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर यूरोप पर है। उन्होंने यूरोपीय देशों को अप्रवासन रोकने की सलाह दी है। ट्रंप ने 'इमिग्रेशन' के मुद्दे पर यूरोप को चेताया है। ट्रंप का कहना है कि इमिग्रेशन यूरोप को खत्म कर रहा है, समय रहते उसे जाग जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कॉटलैंड में एयर फ़ोर्स वन से उतरने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि यूरोपीय देशों को आव्रजन पर लगाम लगाने की ज़रूरत है। ट्रंप ने कहा, 'इमिग्रेशन के मामले में, आपको अपने काम में जुट जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं करेंगे, तो यूरोप आपके पास नहीं रहेगा। इसलिए आपको अपने काम में जुट जाना होगा।' ट्रंप के पिता फ्रेड और माता मैरी ऐनी मैकलियोड यूरोप से अमेरिका आकर बस गए थे। उन्होंने कहा कि कई यूरोपीय देशों को इस 'भयानक आक्रमण' को रोकने की ज़रूरत है। ट्रंप ने यह भी कहा कि कुछ नेताओं ने इसे होने नहीं दिया है, और उन्हें उचित श्रेय नहीं मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी उनके नाम बता सकता हूं, लेकिन मैं दूसरों को शर्मिंदा नहीं करना चाहता हूं। यह इमिग्रेशन यूरोप को खत्म कर रहा है।

ट्रंप ने अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर पर सख्ती बरतने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, पिछले महीने हमारे देश में कोई भी घुस नहीं पाया। हमने वहां घुस आए बहुत से बुरे लोगों को बाहर निकाला।' संयुक्त राष्ट्र के 2020 के अनुमानों के अनुसार, लगभग 8.7 करोड़ अंतरराष्ट्रीय प्रवासी यूरोप में रह रहे थे। दूसरी बार राष्ट्रपति बन व्हाइट हाउस लौटने के बाद से ट्रंप ने एक सख्त आव्रजन-विरोधी नीति अपनाई है। उन्होंने अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े प्रवासी निर्वासन कार्यक्रम का नेतृत्व करने का संकल्प लिया है और अब तक हज़ारों 'विदेशियों' को अमेरिका से बाहर कर चुके हैं। उनकी सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी ने दुनिया में सबसे बड़ी प्रवासी आबादी वाले अमेरिका में उथल-पुथल मचा दी है। इसे लेकर कई विरोध प्रदर्शन भी अमेरिका में देखने को मिल रहे हैं।

मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल सम्मान की बात : मोदी

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मालदीव के हीरक जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के बाद वहां के विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। मुलाकात की इन तस्वीरों को पीएम मोदी ने अपने एक्स एकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने को सम्मान की बात करार दिया।

मालदीव को पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं उन्होंने एक्स पर लिखा, ÷मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए एक सम्मान की बात रही। यह ऐतिहासिक अवसर मालदीव के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत आत्मा को दर्शाता है। साथ ही यह पिछले वर्षों में देश के बदलाव की यात्रा का प्रतीक भी है। प्राचीन समुद्री परंपराओं से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों में नेतृत्व तक, मालदीव ने विश्व मंच पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। महान मालदीववासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।÷

पीएम मोदी ने क्या कहा - भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने लिखा, ÷भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ बातचीत करना एक सुखद अनुभव रहा। यह पहल क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। इस समूह में पुलिस अधिकारी, सरकारी अधिकारी, पैरा-मेडिक्स और नर्सें शामिल थीं। ये सभी वास्तव में भारत-मालदीव मित्रता की भावना और हमारे दोनों देशों के गहरे संबंधों के प्रतीक हैं।÷ एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷यहां मालदीव में भारतीय समुदाय के साथ हुई बातचीत की कुछ और झलकियां प्रस्तुत हैं। मालदीव में भारतीय समुदाय से भी संवाद किया। यह सराहनीय है कि वे मालदीव की प्रगति में योगदान दे रहे हैं और साथ ही भारत से अपने जुड़ाव को भी बनाए रखे हुए हैं।÷

मालदीव के नेताओं से भी की वार्ता - पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मालदीव के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ एक सार्थक बैठक हुई। राजनीतिक क्षेत्र के सभी पक्षों की भागीदारी यह दर्शाती है कि भारत-मालदीव की मजबूत और समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता को सर्वदलीय समर्थन प्राप्त है। हमारे साझा मूल्य इस महत्वपूर्ण साझेदारी को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

कंबोडिया से संघर्ष के बीच थाईलैंड के 8 जिलों में मार्शल लॉ का एलान

बैंकॉक एजेंसी

थाईलैंड-कंबोडिया के बीच दो दिनों से चल रही जंग थमने का नाम नहीं ले रही। यहां तक कि थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने कह दिया है कि संघर्ष जल्द ही युद्ध में बदल सकता है। थाईलैंड ने कंबोडिया की सीमा से लगे 8 जिलों में मार्शल लॉ घोषित किया गया है। थाईलैंड के एक आर्मी कमांडर ने कहा है कि कंबोडिया द्वारा बल प्रयोग कर थाई क्षेत्र में घुसने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि यूएन की सिक्योरिटी काउंसिल में इस संघर्ष पर एक इमरजेंसी मीटिंग भी होनी है। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद गुरुवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया। कंबोडिया की तरफ से शुक्रवार को कई गोले दागे गए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत की खबर है। वहीं 5 अन्य घायल हो गए। थाईलैंड ने बॉर्डर इलाकों में रहने वाले 1.38 लाख लोगों को निकाल लिया है। थाईलैंड ने कहा है कि वह समझौते की तरफ बढ़ना चाहते हैं, लेकिन अगर स्थिति बिगड़ती है, युद्ध के हालात बन सकते हैं। थाईलैंड के कार्यवाहक पीएम ने कहा कि हमने थाई सेना को जरूरत के अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। थाईलैंड ने मलेशिया की मदद से बातचीत की पेशकश की है। कंबोडिया के पीएम हुन मानेट ने फेसबुक पोस्ट में ये भी कहा है कि थाईलैंड के अचानक हमला करने की वजह से उनके पास कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि कंबोडिया हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से विवाद सुलझाने में विश्वास रखता है, मगर हमारे ऊपर अगर सशस्त्र आक्रमण होगा तो जवाब देना हमारी मजबूरी बन जाता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

जशपुर के पीएमश्री विद्यालय में अब एनसीसी एयर स्क्वाड्रन शुरू होगी

0-मुख्यमंत्री श्री साय के प्रयासों से मिली स्वीकृति

0-स्थानीय युवाओं को कैरियर बनाने में मिलेगी मदद

0-मुख्यमंत्री से एयर एनसीसी के छात्रों ने की मुलाकात

रायपुर, छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के युवाओं को अब एनसीसी में एयर स्क्वाड्रन के जरिए अपना कैरियर बनाने के लिए मदद मिल पाएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से जिले के पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में एनसीसी की एयर स्क्वाड्रन शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। यह छत्तीसगढ़ की 3 सीजी एनसीसी एयर स्क्वाड्रन होगी। श्री साय के प्रयासों से यह जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो स्थानीय युवाओं के भविष्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने विद्यालय में एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 मेधावी विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच लगाकर पंजीयन की शुरुआत की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इनमें 13 बालिकाएं और 12 बालक शामिल हैं। इस अवसर पर विंग कमांडर श्री विवेक कुमार साहू ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

रंग लाई मुख्यमंत्री की पहल, जशपुर में शुरू हुई एयर स्कवाड्रन

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने पिछले एनसीसी दिवस समारोह के दौरान रायपुर के समान राज्य के अन्य हवाई पट्टी वाले शहरों में भी एनसीसी की एयर स्कवाड्रन शुरू करने की इच्छा व्यक्त की थी। अभी तक छत्तीसगढ़ में केवल रायपुर में ही एयर एनसीसी और उड़ान का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जगदलपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और जशपुर जैसे स्थानों पर भी हवाई पट्टियों की सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री की इस पहल पर मार्च माह में जशपुर की आगडीह हवाई पट्टी को 3 सीजी एयर एनसीसी स्क्वाड्रन के लिए स्वीकृति प्रदान की गई और एक माइक्रोलाइट विमान को प्रशिक्षण हेतु जशपुर भेजा गया। इस दौरान लगभग 100 कैडेट्स को उड़ान का वास्तविक अनुभव प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं हवाई पट्टी पहुंचकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया और कैडेट्स से संवाद किया। कैडेट्स ने उन्हें विमान से संबंधित तकनीकी जानकारियाँ भी साझा कीं।

प्रशिक्षण प्राप्त कैडेट को रोजगार के बेहतर अवसर वर्तमान में 3 सीजी एयर एनसीसी एयर स्क्वाड्रन, पूरे देश में एकमात्र एयर स्क्वाड्रन है जिसमें एम्स, एमबीबीएस और नर्सिंग के छात्र कैडेट के रूप में जुड़े हुए हैं। कैडेटों को यूपीएससी और एसएसबी साक्षात्कार के माध्यम से सेना में 25 वैकेन्सी /पाठ्यक्रम के अवसर मिलते हैं, एसएससी के माध्यम से ऑफिसर्स ट्रेनिग अकादमी के लिए 50 वैकेंसी/पाठ्यक्रम के अवसर मिलते हैं जिसमें यूपीएससी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होती है और केवल एसएसबी साक्षात्कार के माध्यम से चयन के अवसर मिलते है। 20 सीटें लडकियों के लिए आरक्षित होती हैं। वायु सेना के उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों सहित सभी पाठ्यक्रमों में 10 प्रतिशत वेकेंसी होती है। जिसके लिए एएफसीएटी, यूपीएससी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होती है। इसी तरह से पैरामिलिट्री फोर्स भर्ती में 2 से 10 बोनस अंक दिया जाता है।कई उद्योगों में भी एनसीसी सी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरियों में प्राथमिकता दी जाती है।

जनपद पंचायत सदस्यों का तीन दिवसीय आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण संपन्न

कांकेर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मण्डावी के मार्गदर्शन में विकासखंड कांकेर, भानुप्रतापपुर, चारामा एवं नरहरपुर के जनपद पंचायत सदस्यों की 03 दिवसीय आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पंकज कुमार सिन्हा, संकाय सदस्य कमलेश कुमार साहू एवं वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी राजेन्द्र राठौर के द्वारा 73वां संविधान संशोधन, जनपद पंचायत सदस्यों के कर्तव्य एवं अधिकार तथा कामकाज संचालन प्रक्रिया, पेसा कानून एवं त्रिस्तरीय पंचायती राज सहित सभी विभागीय योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। जिला पंचायत संसाधन केन्द्र के प्राचार्य ने कहा कि पंचायती राज संरचना के महत्वपूर्ण एवं आधारभूत जानकारी के साथ ही सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के दिशा में सार्थक होगा। पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास के सशक्तिकरण में जनपद पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

0 जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में नि:शुल्क डायलिसिस सेवा

0 डायलिसिस के लिए संपर्क नंबर 6267317316, 9329205242

सारंगढ़ बिलाईगढ़, कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत् जीवनधारा नि:शुल्क डायलिसिस सेवा का सफल संचालन किया जा रहा है। क्रोनिक किडनी के मरीजों में खून की कमी, मूत्र में रक्त आना।

समाज के लिए साइकिल से संदेश : 6 राज्यों की 5200 किमी यात्रा कर तुलसीराम ने फैलाया नशा मुक्ति का अलख

कलेक्टर श्री मिश्रा ने की सराहना, युवाओं के लिए बने प्रेरणा स्रोत

धमतरी, । धमतरी जिले के ग्राम पतेरापारा निवासी युवा तुलसीराम साहू ने नशा मुक्ति के संदेश को लेकर जो कार्य किया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। तुलसीराम ने साइकिल से 6 राज्यों का भ्रमण करते हुए 5200 किलोमीटर की अद्भुत यात्रा पूरी कर यह सिद्ध किया है कि दृढ़ संकल्प, सामाजिक चेतना और जनहित के लिए किया गया कार्य न केवल लोगों की सोच बदल सकता है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा भी तय कर सकता है।

इस अभियान की शुरुआत तुलसीराम ने 6 अप्रैल 2025 (रामनवमी) के पावन अवसर पर जिले की आराध्य देवी माँ विंध्यवासिनी मंदिर से की। यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट था ड्ड नशे के खिलाफ जन-जागृति। उन्होंने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब जैसे 6 प्रमुख राज्यों की यात्रा करते हुए प्रतिदिन औसतन 150 किलोमीटर की दूरी तय की। 32 दिनों में 5200 किलोमीटर का सफर तय कर वे धमतरी लौटे।

नशा विरोध की प्रेरणा: अनुभव से निकला अभियान तुलसीराम ने बताया कि इस अभियान की प्रेरणा उन्हें व्यक्तिगत जीवन के कड़वे अनुभवों से मिली। उनके छोटे भाई की मानसिक स्थिति नशे के कारण बिगड़ गई थी, जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। वहीं, बचपन में कक्षा 5वीं में पढ़ते समय उन्होंने कई छोटे बच्चों को नशे की चपेट में आते देखा था। इन दोनों घटनाओं ने उन्हें इस सामाजिक बुराई के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध कर दिया।

जनसमर्थन और सकारात्मक ऊर्जा

यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों में उन्हें आमजन का भरपूर सहयोग और समर्थन मिला। उन्होंने गाँवों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों पर लोगों से संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा की और जागरूकता का संदेश फैलाया। यह कोई पहला प्रयास नहीं था–वर्ष 2020 में भी तुलसीराम ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए लाल किला, दिल्ली तक साइकिल यात्रा कर लोगों को जागरूक किया था।

कलेक्टर ने की भूरी-भूरी प्रशंसा

आज तुलसीराम साहू ने जिला कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा से मुलाकात की और अपनी यात्रा के उद्देश्य, अनुभव एवं जनप्रतिक्रिया से अवगत कराया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा, तुलसीराम जैसे युवा समाज का दर्पण होते हैं। इनकी सोच और प्रयास न केवल सराहनीय हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन समाजहित में किए गए ऐसे कार्यों को सदैव प्रोत्साहित करता रहेगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें।

जिला पंचायत संसाधन केंद्र में नवनिर्वाचित जनपद प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न

दंतेवाड़ा, जिला पंचायत संसाधन केंद्र में विगत दिवस जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के नवनिर्वाचित जनपद सदस्यों के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को उनके कर्तव्यों, अधिकारों तथा विकास योजनाओं की जानकारी देना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में प्रभावी कार्य कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत संचालन, शासन की प्रमुख योजनाएं, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और जल-संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और विभिन्न विषयों पर जिज्ञासाएँ भी प्रस्तुत कीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुंजाम ने एक पेड मां के नाम पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपनी माँ या माता-पिता के नाम से अवश्य लगाना चाहिए। यह न केवल भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी रेखांकित करता है। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत-दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत सदस्यगण जिला पंचायत के अधिकारी एवं नीति आयोग के सहयोगी, पीरामल फाउंडेशन दंतेवाड़ा के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीजापुर,कांकेर,नारायणपुर में 46 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बस्तर, बीजापुर में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नक्सली दंपति सहित कुल 25 लोगों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। 25 लाख के ईनामी एसजेडसीएम के साथ कुल 01 करोड़ 15 लाख के ईनामी 25 माओवादियों ने सरेंडर किया है। सभी माओवादी फ यरिंग, आईडी ब्लास्ट, आगजनी जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं। वहीं कांकेर में 62 लाख के 13 ईनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है तो नारायणपुर में 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सरकार की महत्वपूर्ण योजना नियद नेल्लानार व पुर्नवास नीति से प्रभावित होकर लगातार नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे है। इसी कड़ी में 25 लाख के ईनामी एसजेडसीएम के साथ कुल 01 करोड़ 15 लाख के ईनामी 25 माओवादियों ने सरेंडर किया है। कांकेर में 62 लाख के 13 ईनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है तो नारायणपुर में 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों 50-50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि का चेक दिया गया है। साथ ही आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिलाई जाएगी।

बीजापुर में आत्मसमर्पण करने वालों में एसजेडसीएम-01, डीवीसीएम-02, कंपनी पीपीसीएम-02, बटालियन एवं कंपनी पार्टी सदस्य -03, एसीएम-08 एरिया कमेटी पार्टी सदस्य -02, एलओएस सदस्य-04, जनताना सरकार अध्यक्ष -01, मिलिशिया कंपनी सदस्य-01 एवं जनताना सरकार उपाध्यक्ष शामिल हैं। नारायणपुर में भी माओवादियों के बड़े लीडर डीवीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम, पार्टी सदस्य एवं जनताना सरकार अध्यक्ष सहित 4 पुरूष और 4 महिला माओवादियों ने सरेंडर किया है।

आत्मसमर्पित के नाम, पद और घोषित इनाम वट्टी गंगा उर्फमुकेश उर्फ चैतू पिता स्व0 सुकड़ा उम्र 44 वर्ष निवासी दुब्बाकोंटा/दुमरका पंचायत तेलंमागुण्डा जिला सुकमा, वर्ष 2000 से 12.07.2025 तक उत्तर ब्योरो टीडी टीम इंचार्ज डीवीसीएम रहे. इनामी 08 लाख रुपए, लखमा लेकाम उर्फसैनाथ उर्फरंजीत पिता सोमा उम्र 36 वर्ष निवासी पिड़िया थाना गंगालूर, वर्ष 2013 से पीपीसीएम प्लाटून नंबर 22 कमांण्डर वर्ष 2024 से प्लाटून नंबर 01 सेक्सन कमाण्डर।

सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण एवं टीबी मुक्त पंचायतों का सम्मान समारोह आज

उपमुख्यमंत्री शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल करेंगे सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन

कवर्धा, कबीरधाम जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र के इतिहास में 25 जुलाई 2025 का दिन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप तथा उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के निरंतर प्रयासों से जिले के जिला अस्पताल कवर्धा में सीटी स्कैन मशीन की सुविधा प्रारंभ की जा रही है। इसका लोकार्पण शुक्रवार को दोपहर 1 बजे उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। इसके साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले की 84 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

इस आयोजन की व्यापक तैयारियों की समीक्षा कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा द्वारा की गई है। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ श्री अजय त्रिपाठी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तुर्रे को कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उपमुख्यंत्री श्री शर्मा के विशेष प्रयासो से जिला अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा के शुरू होने से जिले के हजारों जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को अब भारी राहत मिलेगी। पहले इस सुविधा के अभाव में मरीजों को निजी जांच केन्द्रों में महंगी जांच करवानी पड़ती थी या फिर उन्हें रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई जैसे बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब यह सुविधा जिला अस्पताल में उपलब्ध होने से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे इलाज की आवश्यकता में भारी खर्च से भी मुक्ति मिलेगी। यह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जिले की एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक मशीन के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिले के लोगों के लिए एक सशक्त स्वास्थ्य ढांचे की दिशा में सशक्त कदम है।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में दोपहर 1:15 बजे ऑडिटोरियम सभागार में टीबी मुक्त पंचायतों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें इन पंचायतों के प्रतिनिधियों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। यह सम्मान टीबी मुक्त भारत अभियान में ग्राम स्तर पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सार्वजनिक सराहना का प्रतीक होगा।

इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में कबीरधाम लोकसभा सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, छत्तीसगढ़ गोसेवा आयोग अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल, कृषक आयोग अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगरपालिका परिषद कवर्धा अध्यक्ष श्री चंदप्रकाश चंद्रवंशी, तथा भीजीएमएससी (छ.ग.) के अध्यक्ष श्री दीपक महस्के शामिल होंगे।

जिला स्वास्थ्य समिति कबीरधाम के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य आयोजन में जिलेभर के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और आमजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। जिला प्रशासन ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में समय पर पहुंचकर सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

11 से 1:15 बजे तक होगी आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा

0 आबकारी आरक्षक परीक्षा प्रवेश पत्र के संबंध में जारी हुए विशेष दिशा निर्देश

दंतेवाड़ा,। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के अंतर्गत आबकारी आरक्षक के रिक्त पदों पर लिखित भर्ती परीक्षा (एबीए 25) का आयोजन 27 जुलाई 2025 दिन रविवार समय 11 से 1:15 बजे को किया जावेगा। इस संबंध में अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट vyapam-cg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध लिंक पर क्लिक करके अपने प्रोफाइल लॉगिन पेज से प्रवेश पत्र दिनांक 21 जुलाई 2025 से डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एसएमएस के यू.आर.एल. को क्लिक करके भी सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर उसका प्रिंट आउट ले सकते हैं। परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी लगभग दो घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित रहेंगे, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सके एवं फिस्किंग के उपरांत परीक्षा केंद्र में जाने हेतु अनुमति दी जा सके। यह उचित होगा कि, परीक्षार्थी परीक्षा दिवस से एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केन्द्र की भौगोलिक स्थिति से भली भांति परिचित हो जावें। प्रवेश पत्र पर अंकित समय के पश्चात् किसी को भी परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

अभ्यर्थी संपूर्ण प्रवेश पत्र पूर्णतः डाउनलोड करें और उसका प्रिंट आउट लेकर परीक्षा केन्द्र में जायें। परीक्षार्थियों को डाकघर के माध्यम से प्रवेश पत्र नहीं भेजा जावेगा। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र के सम्बंध में कठिनाई होती है तो हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 एवं मोबाइल नंबर 8269801982 पर समय प्रातः 10 से सायं 5:30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आई डी. प्रूफ जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटो कॉपी मान्य नहीं) परीक्षा दिवस में परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचेगें ताकि उनका प्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व अर्थात् प्रातः 10:30 बजे परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। इसके अलावा अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने एवं फुटवियर के रूप में चप्पल पहनने का निर्देश दिया गया है।

ग्राम जिंदा को मिला छत्तीसगढ़ का पहला टीबी मुक्त गांव होने का गौरव

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया

कवर्धा, । टीबी मुक्त भारत अभियान को सशक्त आधार देते हुए कबीरधाम जिले ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिले की ग्राम पंचायत जिंदा को प्रदेश का पहला टीबी मुक्त ग्राम घोषित किया गया है। इस उपलब्धि को मान्यता प्रदान करते हुए आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ग्राम जिंदा पहुँचकर ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

द्वारा प्रारंभ किए गए टीबी मुक्त भारत अभियान को छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गंभीरता से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि टीबी जिसे पहले एक गंभीर बीमारी माना जाता था, अब आधुनिक चिकित्सा, टीकों, दवाइयों और जनसहभागिता के चलते नियंत्रण और समाप्ति की दिशा में है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य अभियान की सफलता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं होती, बल्कि उसमें समाज की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम जिले में 84 ग्राम पंचायतों का टीबी मुक्त घोषित होना इसी सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक सक्रियता का प्रमाण है। श्री जायसवाल ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की भूमिका की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सतत निगरानी, सजगता और नेतृत्व में जिले को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम जिंदा को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह गांव प्रदेश के लिए एक प्रेरणा बन गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम जिंदा की सक्रियता, सजगता और सामूहिक प्रयासों के चलते यह संभव हो सका है। उन्होंने जानकारी दी कि कबीरधाम जिले की कुल 84 ग्राम पंचायतें अब तक टीबी मुक्त हो चुकी हैं, जो कि प्रदेश ही नहीं, देश के लिए भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़, विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में नए हितग्रहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सीसीएमएससी बोर्ड के अध्यक्ष श्री दीपक महसके, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री अजय त्रिपाठी, सहित कई जनप्रतिनिधिगण और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडरिया नगर में स्वागत के लिए उमड़ा शिवभक्तों का जन सैलाब

कवर्धा,। छत्तीसगढ़ प्रदेश की खुशहाली एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा और उनके साथ लगभग 300 से अधिक कांवड़ यात्रियों के जत्थे का आज यात्रा के पांचवे दिन मोहतरा से पंडरिया नगर, परसवारा, दशरंगपुर पुतकी होते हुए डोंगरिया महादेव मंदिर पहुंचा जहाँ भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, विभिन्न सामजिक व हिन्दू संगठनों एवं शिवभक्तों ने भव्य स्वागत किय। इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा और सभी कांवड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक किया

और छत्तीसगढ़ की खुशहाली एवं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पंडरिया नगर में विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों के स्वागत के लिए हजारों की संख्या में भगवा वस्त्र धारण कर क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर सभी का भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही ग्राम दशरंगपुर पुतकी में भी बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों ने भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों के आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

बोल बम और हर हर महादेव के नारे से पूरा पंडरिया नगर भक्तिमय और भगवामय हो उठा। लगभग 3000 से अधिक की संख्या में उपस्थित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा एवं महिला मोर्चा, विभिन्न सामाजिक व हिन्दू संगठनों, नगरवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उनकी यात्रा में सहभागी बनें। तेज बारिश के बावजूद लोगों में अपार उत्साह और हजारों की संख्या में भीड़ पंडरिया नगर में उमड़ी।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों को किया सम्मानित,

) स्वच्छता हम सभी की है जिम्मेदारी - मुख्यमंत्री

देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में निभा रही हैं अहम भूमिका

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में हमारी स्वच्छता दीदियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिन्होंने निष्ठा, परिश्रम और सेवा-भावना के साथ समाज को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज जशपुर जिले के ग्राम बगिया में आयोजित सम्मान समारोह में स्वच्छता दीदियों को साड़ी, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जशपुर एक प्राकृतिक रूप से समृद्ध और सुंदर जिला है, लेकिन पहले जब वे गांवों का दौरा करते थे, तो सड़कों के किनारे फैला कचरा गांवों और नगरों की सुंदरता को धूमिल कर देता था। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत कर इसे राष्ट्रीय जनआंदोलन में परिवर्तित किया। उन्होंने स्वयं झाड़ू उठाकर लोगों को प्रेरित किया और गांव-गांव, शहर-शहर स्वच्छता की अलख जगाई। उन्होंने हर नागरिक को स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दिलाने का प्रयास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान में हमारी स्वच्छता दीदियों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनके अथक परिश्रम और समर्पण का ही परिणाम है कि आज जशपुर जिले ने स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे वास्तव में सम्मान की पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने हमें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने घर, मोहल्ले, चौराहे, मंदिर और सार्वजनिक स्थलों की सफाई को अपना कर्तव्य मानें और स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें। उल्लेखनीय है कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी स्वच्छता सुधारों के मूल्यांकन और प्रोत्साहन हेतु स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (स्क्वरू) के अंतर्गत 4,589 शहरों को शामिल किया गया था। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में जशपुर जिले के नगरीय निकायों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर देश भर में अपना परचम लहराया है।इसमें जशपुरनगर ने 20,000 से 50,000 की जनसंख्या वर्ग में पूरे देश में 10वां स्थान प्राप्त किया है, जो कि 2023 की 505वीं रैंकिंग से एक लंबी छलांग है। इसी वर्ग में नगर पंचायत कुनकुरी ने 13वां रैंक, नगर पंचायत पत्थलगांव ने 30वां रैंक, नगर पंचायत बगीचा ने 51वां रैंक, और नगर पंचायत कोतबा ने 64वां रैंक हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि स्वच्छता दीदियों के परिश्रम और प्रशासनिक टीम के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय निकायों द्वारा योजनाबद्ध रूप से कई कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें बी.टी. रोड निर्माण, रोड मार्किंग, सामुदायिक शौचालयों का उन्नयन, चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण, वॉल पेंटिंग, वेस्ट मैटेरियल से पार्कों का निर्माण, कम्पोस्टिंग शेड और रिसाइक्लिंग सेंटर की स्थापना, फुटपाथों पर पेवर ब्लॉक लगाना, साइनेज आदि प्रमुख हैं। लेकिन इन प्रयासों की आत्मा बनी हैं वे स्वच्छता दीदियाँ, जो हर गली, मोहल्ले में जाकर डोर टू डोर कचरा संग्रहण जैसे श्रमसाध्य कार्यों को अंजाम

निरंतर वर्षा रोपा, बियासी कार्य में आई तेजी

0-75 प्रतिशत से अधिक का बोआई का काम पूरा हुआ

0-डीएपी खाद की हो रही निरंतर आपूर्ति

रायपुर,। प्रदेश में हो रही निरंतर वर्षा के कारण 75 प्रतिशत से अधिक बोआई का काम पूरा हो गया है। अब बियासी एवं रोपाई का काम तेजी पकड़ता जा रहा है। डीएपी खाद को लेकर इस समय घमासान बचा हुआ है। तरह नैनो डीएपी खाद की आपूर्ति की जा रही है। वहीं कांग्रेस इस मामले को लेकर राजनीति कर रही है।

कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में कुल 48 लाख हेक्टेयर जमीन पर कृषि कार्य हो रहा है। 7 लाख क्विंटल से अधिक प्रमाणिक बीज का वितरण हो चुका तथा 11 लाख टन से अधिक खाद का संग्रहण किया जा चुका है। रोपाई के पहले डीएपी खाद की आवश्यकता होती है। वहीं अब रोपाई, बियासी के लिए यूरिया, फॉस्फेक्ट तथा एनपीके खाद का वितरण मार्कफेड के माध्यम से हो रहा है। सरकार द्वारा शीघ्र खाद का रेक आ रहा है।

विभिन्न समितियों में जाकर किसानों से पता करने पर पता चला कि कही भी डीएपी खाद नहीं है भारी वर्षा होने से किसान का काम जोरो से चल रहा है किसान रोपाई, बियासी में व्यस्तता के बावजूद समितियों में खाद DAP के लिए चक्कर लगाने मजबूर है अभी अति आवश्यक तुरंत बेसल खुराक में किसान डीएपी डालते है और वहीं खाद समितियों में उपलब्ध नहीं है किसानों में भारी आक्रोश है किसान करे तो करे क्या अब किसान खाद पर समितियों में निर्भरता के कारण बाहर निजी खाद दुकानों में नगद खरीदने वो भी ऊंची दामों में 1350 का डीएपी 2000,2200में लेने मजबूर होगे किसानों के पास नगद राशि का भी समस्या है समितियों में खाद नहीं है बाहर से लेने के लिए नगद राशि समितियों से खाद के बदले नहीं देते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

कहा भारत माँ के अमर सपूतों की शौर्यगाथा सदा रहेगी प्रेरणास्रोत

रायपुर, । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई 2025) पर भारत माँ की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई का दिन भारतीय सेना के अदम्य साहस, अटल संकल्प और मातृभूमि के लिए सर्वस्व अर्पण करने वाले सपूतों के अमर बलिदान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कारगिल की बर्फीली चोटियों पर हमारे वीर जवानों ने जो साहस दिखाया, वह इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित है। भारतीय सेना ने न केवल दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ते हुए दुश्मनों को परास्त किया, बल्कि भारत की अस्मिता, अखंडता और सम्मान की रक्षा करते हुए अमर बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि चाहे कारगिल युद्ध हो या घाटी में आतंकवादियों से मुठभेड़, भारतीय सैनिकों ने हर चुनौती में वीरता की नई मिसाल कायम की है। यह दिवस हमें उन अमर बलिदानियों को स्मरण करने का अवसर देता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री साय ने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर राष्ट्र की रक्षा में समर्पित जवानों और उनके परिजनों के प्रति कृतज्ञ रहते हुए देशसेवा के लिए सदैव तत्पर रहें।

स्वार्थ घटने पर ही दया और दान संभव : मनीष सागर

रायपुर

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में शुक्रवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागर महाराज ने कहा कि जो समविभाग नहीं करता, उस जीव का मोक्ष नहीं होता है। जो इतना स्वार्थी है कि अपनी प्राप्त सामग्री में से यदि किसी को आवश्यकता होते हुए भी नहीं दे सकता तो वह राग व द्वेष में उलझा रहता है। जब व्यक्ति किसी को थोड़ा भी नहीं दे पाएगा तो राग द्वेष रहित जीवन को कैसे जी पाएगा। स्वार्थ रहित जीवन कैसे पाएगा, इसलिए सुपात्र दान देना चाहिए। सदैव दया का भाव, दान का भाव रखना चाहिए क्योंकि स्वार्थ घटने पर ही दया और दान संभव है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन मे सबसे पहला काम होता है मन को शांत रखना। आप जब अपने मन को शांत रखोगे तभी सबके मन को शांत रख पाओगे। विपरीत परिस्थितियों में हमेशा शांत रखना चाहिए। शांत रहकर ही हमेशा सही निर्णय कर पाओगे। संसार में इच्छा शक्ति करो तो राग बढ़ता है। इच्छा की थोड़ी उपेक्षा हो जाए, मन मुताबिक नहीं हो तो व्यक्ति द्वेष करता है। राग में सर्वस्व लुटाने की कोशिश करता है और द्वेष में आकर सर्वस्व छीन जाता है। संसार में अपेक्षा इंसान को दुखी करती है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में सबसे मुख्य सुधारक सच्ची समझ है। हमें समझ सही करने का प्रयत्न करना है। अपनी समझ से हम जीते हैं। सत्संग के लिए आते हैं तो दूसरों की समझ भी मिल जाए, इसके चयन के लिए हमें कुछ विकल्प मिल जाए और ऑप्शन मिल जाए, इतने सारे ऑप्शन में उल्टी व सही समझा कौन सी है और सही समझ को हम स्वीकार करना सीखे तो धीरे-धीरे हमारी समझ भी ज्ञानियों की समझ से मिल जाएगी। यही हमारे जीवन को सुधारने में मददगार होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमेशा कोशिश करें कि अपने मन को पॉजिटिव बनाएं। बिना सोचे, बिना विचारे,बिना अनुभव के गलत इमेज ना बनाएं। सबको अच्छा देखने का प्रयास करें। संसार मे कुछ लोग सुबह उठते हैं तो एक नियम का पालन करते हैं कि सबका भला हो। वहीं आप अपने भाव को बिगाड़ने में उलझे रहते हो। थोड़ा नुकसान हो जाए तो ठीक है, भाव नहीं बिगाड़ना चाहिए। भाव बिगड़ने से भाव बिगड़ने की संभावना होती है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हम अपनी गलती स्वीकार नहीं करते। हमें लगता है मैंने कहां गलत किया, मैं कहां पाप करता हूं,मैं पुण्यशाली हूं,अपनी हर कथनी और करनी का विश्लेषण करना चाहिए। मैं कितना गिरा हुआ हूं ? यह सवाल अपने आप से जरूर करना। पूरे दुनिया में सबसे गिरा हुआ कोई है वह मैं हूं, यह जवाब जिस दिन आ जाएगा, उस दिन से अपना सुधार शुरू हो जाएगा। अब तक सुधार इसीलिए नहीं हुआ क्योंकि रिलाइज नहीं हुआ कि मैं इतना भयंकर पापी हूं। जब तक पापों का प्रायश्चित नहीं होगा तब तक पाप नहीं सुधरेंगे।

मानव तस्करी का मामला, 6 संदिग्ध गिरफ्तार

0-युवतियों को ले जाया जा रहा था काम के बहाने आगरा

रायपुर, । मानव तस्करी के आरोप में 6 संदिग्धों को आज जीआरपी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इनसे अभी पूछताछ की जा रही है, इनमें दो नन भी शामल हैं। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार कोण्डागांव जिले के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली दो किशोरियां आगरा जा रही थी। बताया जाता है ये आगरा में एक निजी अस्पताल में काम करने के लिए जा रही थी, लेकिन कतिपय हिन्दू संगठनों का शिकायत है कि इन्हें धर्मातरण कराने के लिए ले जा रहा था। इस शिकायत के पश्चात पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। राज्य के उत्तर छत्तीसगढ़ से ही मानव तस्करी हुमन ट्रैफिंग का मामला भी कई बार आ चुका है। इन सभी लड़कियों को अस्पताल में काम करने ले जाया जाता है, इसके पश्चात इन्हें धर्मांतरण करा दिया जाता है। जशपुर, बगिचा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लड़कियों को ले जाया जाता है।

मेरा गांव मेरी पहचान योजना के तहत रायपुर में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विभागीय योजनाओं के जरिए शत प्रतिशत पात्र हितग्रहियों को करें लाभान्वित- कलेक्टर*

रायपुर, सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों के अंतिम घर तक पहुँचाने और ज़िले के हर गांव को विशिष्टता के साथ आदर्श ग्राम बनाने तथा उनकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पहचान को संजोने के उद्देश्य से रायपुर जिला प्रशासन द्वारा ÷मेरा गांव मेरी पहचान÷ योजना शुरू की गई है। योजनांतर्गत आज एकदिवसीय कार्यशाला रेडक्रॉस सभा कक्ष, कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में इस अभिनव योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामों की छुपी हुई विशेषताओं को उजागर कर उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाना है। अलग-अलग विभाग द्वारा न सिर्फ योजनाओं का लाभ अंतिम हितग्राही तक पहुँचाया जाएगा, इसके साथ ही किसी एक या एक से अधिक ग्राम का चयन कर उसे विशेष तौर पर एक पहचान प्रदान करने की कोशिश की जाएगी जैसे कृषि विभाग द्वारा किसी ग्राम को पूर्ण दलहन, तिलहन ग्राम या महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किसी ग्राम को पूर्णतः कुपोषण मुक्त बनाना, अन्य विभागों द्वारा किसी ग्राम में ग्रामीणों को किसी विशिष्ट योजना के माध्यम से लाभान्वित करना। इस योजना के तहत जिले के 78 गांवों का चयन किया गया है।

कार्यशाला के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा, ÷हमें गांवों की अनूठी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विशेषताओं को पहचान कर उन्हें संरक्षित करना है, शासकीय भवनों में आवश्यक सुधार करना तथा इसके साथ ही गांवों को नई तकनीकों से जोड़ना भी हमारा लक्ष्य है, ताकि ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।÷

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र ग्रामीण को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, शिक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, जाति व निवास प्रमाण पत्र जैसी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिले।

इस योजना के अंतर्गत जिन ग्रामीणों ने किसी क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त की है – जैसे कृषि में नवाचार, शासकीय पुरस्कार से सम्मानित इत्यादि, उनकी पहचान और जानकारी भी सार्वजनिक की जाएगी, जिससे समाज प्रेरित हो।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र शहीद कौशल यादव नौजवानों के प्रेरणास्त्रोत : अरूण साव

0-काली मंदिर चौक में शहीद कौशल यादव की मूर्ति लगाए जाने की घोषणा

0-चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा

रायपुर, भारत माता के सच्चे सपूत छत्तीसगढ़ महतारी के लाल शहीद कौशल यादव की राजधानी शहर रायपुर के शहीद कौशल यादव चौक काली माता मंदिर के सामने अगले एक माह के भीतर रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से भव्य मूर्ति चौक का सौंदर्गीकरण करते हुए स्थापित की जायेगी। इस संदर्भ की घोषणा आज नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग और जोन क्रमांक 4 द्वारा काली माता मंदिर के सामने शहीद कौशल यादव चौक पर शहीद दिवस पर शहीद कौशल यादव के 26 वें शहादत दिवस पर राज्य के उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव ने मंच से की।

उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव ने नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से अनुरोध किया एवं रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप को मंच से निर्देश दिया कि अगले एक माह के भीतर शहीद कौशल यादव चौक कालीमाता मंदिर के सामने रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से शहीद कौशल यादव की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी बनाने चौक का सौंदर्यीकरण करते हुए शहीद कौशल यादव की भव्य मूर्ति चौक पर सादर ससम्मान स्थापित किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव ने कहा कि इसके लिए जितनी राशि की आवश्यकता होगी, वह राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के माध्यम से रायपुर नगर पालिक निगम को तत्काल उपलब्ध करवा दी जाएगी। भारत माता के सच्चे सपूत एवं छत्तीसगढ़ महतारी के लाल छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र शहीद कौशल यादव की शहादत की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी बनाने भव्य मूर्ति स्थापना और चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा शहीद कौशल यादव चौक में किया जाये।

शहीद कौशल यादव के 26 वें शहादत दिवस शहीद दिवस पर रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग एवं जोन क्रमांक 4 द्वारा रखे गये पुष्पांजलि आयोजन में उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव ने कहा कि 25 जुलाई 1999 में कारगिल युद्ध में भारत माता के सच्चे सपूत और छत्तीसगढ़ महतारी के लाल राष्ट्र की सेवा करते हुए वीर गति को प्राप्त हुए इसके पूर्व शहीद कौशल यादव ने दुश्मन देश पाकिस्तान के 12 घुसपैठिये आंतकवादियों को मौत की नींद सुला दिया और भारत की कारगिल विजय की नींव वीर गति को प्राप्त होने के पूर्व रख दी। कारगिल युद्ध के बाद से भारतीय सेना की युद्ध कौशल क्षमता लगातार बढ रही है, एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इसका जीवंत प्रमाण है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मन देश पाकिस्तान के 9 आंतकी केन्द्रो को पूरी तरह से ध्वस्त करते हुए पाकिस्तान की सेना और आतंकवादियों को सबक सिखलाया।

नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र शहीद कौशल यादव नौजवानों के प्रेरणास्त्रोत हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगर निगम रायपुर के तत्कालीन सभापति राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव एवं रायपुर नगर निगम के तत्कालीन महापौर रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी की शहीद कौशल यादव की शहादत को नमन करने काली माता मंदिर के सामने चौक का नामकरण शहीद कौशल यादव चौक रायपुर नगर निगम के माध्यम से करने एवं शहीद कौशल यादव की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी रखने शहीद की मूर्ति चौक में स्थापित करने और सौंदर्याकरण करने का निर्णय त्वरित रूप से लेने के तत्कालीन कार्य की सराहना की। उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव ने लिए गए निर्णय का यह कार्य शीघ्र एक माह के भीतर पूर्ण करवाने महापौर श्रीमती मीनल चौबे से अनुरोध किया एवं इस हेतु मंच से नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप को निर्देश दिये।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि शहीद कौशल यादव यादव समाज के सच्चे सपूत हैं। शहीद कौशल यादव ना यादव समाज के, बल्कि समूचे राष्ट्र के गौरव सपूत हैं। शहीद कौशल यादव की कारगिल युद्ध में देश सेवा करते हुए दी गयी शहादत का नागरिक युगों- युगों तक ससम्मान स्मरण करते रहेंगे। शहीद कौशल यादव ने वीरता पूर्वक युद्ध करते हुए दुश्मन देश पाकिस्तान की सेना की सबक सिखलाने का अद्भुत कार्य किया। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद कौशल यादव छत्तीसगढ़ राज्य के यादव समाज के गौरव हैं। शहीद किसी समाज विशेष के नहीं होते हैं, बल्कि वे पूरे राष्ट्र के गौरव पुरूष होते हैं। श्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद कौशल यादव चौक पर शहीद कौशल यादव की भव्य मूर्ति लगने से यहां से निकलने वाले प्रत्येक नागरिक को शहीद कौशल यादव के जीवन में राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणाशक्ति सहज प्राप्त हो सकेगी।

संपादकीय

विपक्ष के शक की गुंजाइशें कम नहीं

विपक्ष चुनाव जीतने के लिये जनता के पास जाये जनता के हित की बात करें लेकिन चुनाव के नतीजों के बाद यदि पक्ष ने नतीजे नहं आए तो चुनाव आयोग पर शक करने का और आरोप लगाने का रवैया काफी निंदनीय है। चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्व्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था। आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई।

रूहानी दौलत से अब अमीर हो गया।

तू ईश्वर है या खुदा तेरा मुरीद हो गया
उपासना का भक्त जड़ खरीद हो गया।
मुरीद-भक्त,शिष्य,

चित्त लगता नहीं इस उजडे बयार में
तेरी एक पुकार से मैं फ़कीर हो गया ।
बयार-हवा,पवन,
तेरी इनायत से लबालब था दौलत से
मिथ्या है मायाजाल जाहिर हो गया।

आगोश में क्या जाऊंगा फिर मोह के
अपने हाथों से बनाई तकदीर हो गया।

जीवन मे रंगत आ गई तेरी सोहबत से
सही गलत दिखाने अब ताबीर हो गया।
ताबीर- अर्थ बताने वाला,

अब ना हाल पूछना कभी मेरा संजीव
रूहानी दौलत से अब अमीर हो गया।
रूहानी- आध्यात्मिक,

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफ्टीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफ्टीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफलाइनों के टैरिफको समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफलाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफ्टीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

बाजार दिखा बड़ा लेकिन खरीदार है छोटा क्या टिक पाएगी टेस्ला इंडिया में?

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है।टेस्ला की Model Y भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से ?70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत ?11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरुआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या वह टिक पाएगी?

भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ-साथ भारतीय ग्राहक ÷वैल्यू फॉर मनी÷ भी चाहता है। भारत में आज भी SUV सेक्टर में ?20-30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5त्न थी। यानी 100 में से सिर्फएक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

यही नहीं, भारत की श्वङ्क नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। और भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70त्न से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई EV नीति के तहत ?4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं।अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7–12% है, जबकि अमेरिका में यह 40त्न के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है ÷ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं।÷

उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा ÷चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!÷ यह सिर्फएक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में EV गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

अब सवाल यह भी है कि क्या भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर टेस्ला जैसे ब्रांड को सपोर्ट करने के लिए तैयार है? फिलहाल नहीं। टेस्ला ने भले ही मुंबई और दिल्ली में सुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बनाई हो, लेकिन पूरे देश में नेटवर्क बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। और जब तक यह नेटवर्क तैयार नहीं होता, तब तक टेस्ला का बाजार केवल दिखावे तक सीमित रहेगा।टेस्ला का भविष्य इस पर भी निर्भर करेगा कि वह भारतीय ग्राहकों के लिए क्या पेशकश करती है। अगर टेस्ला भविष्य में ?40–45 लाख की रेंज में कोई मॉडल लाती है, तो वह मिड प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है। ये वही ग्राहक हैं जो 30 लाख की गाड़ी खरीदने की हैसियत रखते हैं और ब्रांड वैल्यू के लिए थोड़ा और खर्च करने को तैयार रहते हैं। लेकिन जब सामने टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे भरोसेमंद ब्रांड हों, तो टेस्ला को केवल ब्रांड इमेज के सहारे सफलता नहीं मिलेगी।

इतिहास भी यही कहता है। हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों ने भी भारत में धमाकेदार एंट्री की थी, लेकिन कुछ वर्षों बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। वजह साफथी भारतीय बाजार को समझने में चूक। सिर्फ नाम और टेक्नोलॉजी से भारत में गाड़ी नहीं बिकती, यहां लोगों की जरूरत, खर्च की सीमा और सेवा नेटवर्क की अहम भूमिका होती है।भारत में EV का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन अभी शुरुआती दौर में है। 2025 तक कुल गाड़ियों की बिक्री में EV की हिस्सेदारी केवल 4त्न रहने का अनुमान है। ऐसे में टेस्ला को जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति से काम लेना होगा। उसे भारत के लिए खास मॉडल, कीमत और सर्विस नीति बनानी होगी।टेस्ला की भारत में एंट्री एक नई शुरुआत है, लेकिन इसका भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि क्या एलन मस्क भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक साझेदार मानते हैं। अगर वह भारत में उत्पादन, रोजगार और तकनीक साझा करते हैं, तो उन्हें भारत का दिल भी मिलेगा और बाजार भी। वरना यह एंट्री भी एक शानदार लेकिन अल्पकालिक तमाशा बनकर रह जाएगी।

पारिस्थितिक और मानवीय आपदा ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना

विनीत नारायण

ग्रेट निकोबार द्वीप, जो भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है, अपनी अनूठी जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह द्वीप भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु, इंदिरा प्वॉइंट, होने के साथ-साथ यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व भी है।

कुछ समय पहले नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित 72,000 करोड़ की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना ने इस क्षेत्र को वैश्विक व्यापार, पर्यटन और सामरिक महत्व का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस परियोजना में एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, एक टाउनशिप और एक गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट का निर्माण शामिल है। इस परियोजना को लेकर पर्यावरणविद्, आदिवासी अधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों ने गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को नीति आयोग ने 2021 में शुरू किया था, जिसका उद्देश्य इस द्वीप को एक आर्थिक और सामरिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जो विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मागरे में से एक है। परियोजना के तहत 16,610 हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाएगा जिसमें से 130.75 वर्ग किमी. प्राचीन वन क्षेत्र शामिल है। इस परियोजना को राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों ने इसे विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप 1989 में बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया था और 2013 में यूनेस्को के मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम में शामिल किया गया। यह द्वीप 1,767 प्रजातियों के साथ एक समृद्ध जैव विविधता का घर है, जिसमें 11 स्तनधारी, 32 पक्षी, 7 सरीसृप और 4 उभयचर प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में स्थानिक हैं। परियोजना के लिए लगभग 9.6 लाख से 10 लाख पेड़ों की कटाई की जाएगी जो द्वीप के प्राचीन वर्षा वनों को अपूरणीय क्षति पहुंचाएगी। यह न केवल स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को प्रभावित करेगा, बल्कि प्रवाल भित्तियों (कोरल रीफ्स) और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को भी नुकसान पहुंचाएगा। गलाथिया खाड़ी, जहां ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल प्रस्तावित है, लेदरबैक कछुओं और निकोबार मेगापोड पक्षियों का प्रमुख प्रजनन स्थल है।

2021 में गलाथिया खाड़ी वन्य जीव अभयारण्य को डिनोटिफाई कर दिया गया जो भारत की राष्ट्रीय समुद्री कछुआ संरक्षण योजना (2021) के विपरीत है। यह कछुओं और अन्य समुद्री प्रजातियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है क्योंकि बंदरगाह निर्माण से होने वाला प्रदूषण, ड्रेजिंग, और जहाजों की आवाजाही उनके प्रजनन और अस्तित्व को प्रभावित करेगी। द्वीप पर शोम्पेन और निकोबारी आदिवासी समुदाय रहते हैं, जो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (श्वफ्रञ्जक्र) के रूप में वर्गीकृत हैं। ये समुदाय अपनी आजीविका और संस्कृति के लिए जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। परियोजना से इनके पारंपरिक क्षेत्रों का 10त्न हिस्सा प्रभावित होगा जिससे उनकी सामाजिक संरचना और जीविका पर खतरा मंडराएगा।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बाहरी लोगों के संपर्क से इन जनजातियों में रोगों का खतरा बढ़ सकता है, जिससे उनकी आबादी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच सकती है। ग्रेट निकोबार द्वीप अंडमान-सुमात्रा फॉल्ट लाइन पर स्थित है, जो भूकंप और सुनामी के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। 2004 की सुनामी ने इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया था। पर्यावरण प्रभाव आकलन में भूकंपीय जोखिमों को कम करके आंका गया है, और विशेषज्ञों का कहना है कि परियोजना के लिए साइट-विशिष्ट भूकंपीय अध्ययन नहीं किए गए। यह एक बड़े पैमाने पर आपदा का कारण बन सकता है। परियोजना के लिए काटे गए जंगलों की भरपाई के लिए हरियाणा और मध्य प्रदेश में प्रतिपूरक वनीकरण का प्रस्ताव है। लेकिन ये क्षेत्र निकोबार की जैव विविधता से कोई समानता नहीं रखते। यह पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने में असमर्थ है। पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया और मूल्यांकन दस्तावेज को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर गोपनीय रखा गया है। विशेषज्ञों का तर्क है कि केवल हवाई अड्डे का सामरिक महत्त्व हो सकता है, न कि पूरी परियोजना का। पारदर्शिता की यह कमी परियोजना की वैधता पर सवाल उठाती है।

विपक्षी दलों, विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, ने परियोजना को 'पारिस्थितिक और मानवीय आपदा' करार दिया है। पर्यावरणविद् और नागरिक समाज संगठनों ने इसे जैव-विविधता और आदिवासी अधिकारों के लिए खतरा बताया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2023 में परियोजना की पर्यावरण और वन मंजूरी की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी, लेकिन इसके बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाने में जल्दबाजी दिखाई दे रही है। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कारगिल सिर्फ इतिहास में एक जगह नहीं है, यह भारत के धैर्य और अटूट भावना का एक जीवंत प्रतीक हैः डॉ. मंडाविया

कोरिया, लोकशक्ति

हमारे बहादुर सैनिकों के सपनों को आगे बढ़ाना और एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत को आकार देने में मदद करना अब हमारी युवा शक्ति पर निर्भर है - केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया

1999 के कारगिल युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत के 26 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तत्वावधान में माई भारत (मेरा युवा भारत) ने आज द्रास, कारगिल में 'कारगिल विजय दिवस पदयात्रा' का आयोजन किया।

इस पदयात्रा का नेतृत्व केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय सेठ ने किया। इस श्रद्धांजलि मार्च में 3,000 से अधिक युवा स्वयंसेवकों ने दिग्गजों, सेवारत सशस्त्र बल कर्मियों, शहीदों के परिवारों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ भाग लिया।

एकता की इस भावना को आगे बढ़ाते हुए, पदयात्रा ने हिमाबास पब्लिक हाई स्कूल के मैदान से गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, भीमबेट तक 1.5 किलोमीटर के प्रतीकात्मक मार्ग पर चलकर अपनी यात्रा पूरी की। पदयात्रा के दौरान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की जीवंत परंपराओं को दर्शाने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शनों ने इस अवसर को रंगीन और

सार्थक बनाया, जो क्षेत्र की एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शा रहे थे।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने टिप्पणी की, ÷कारगिल सिर्फ इतिहास में एक जगह नहीं है, यह भारत के धैर्य और अटूट भावना का एक जीवंत प्रतीक है। यह एक शक्तिशाली स्मारक के रूप में खड़ा है कि जब हमारे राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा की बात आती है, तो भारत एकजुट, दृढ़ और अडिग रहता है।÷

उन्होंने युवाओं से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित होकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के मिशन के लिए खुद को समर्पित करने

का आह्वान किया। सांडो टॉप की अपनी हालिया यात्रा पर विचार करते हुए, डॉ. मंडाविया ने आगे कहा, ÷भारत ने कभी संघर्ष शुरू नहीं किया, लेकिन उकसाए जाने पर हम साहस, गरिमा और दृढ़ संकल्प के साथ जवाब देते हैं।÷

केंद्रीय मंत्री ने भारत की बढ़ती रणनीतिक क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला, ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्र के सैन्य इतिहास में मील के पत्थर के रूप में उद्धृत किया। उन्होंने फिर दोहराया कि भारत के सशस्त्र बल राष्ट्रीय गौरव और संप्रभुता के अटल संरक्षक बने हुए हैं।

अमृत पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, डॉ. मंडाविया ने उनसे राष्ट्रनिर्माण में जन भागीदारी का बीड़ा उठाने और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण में सक्रिय रूप से योगदान करने का आग्रह किया। उन्होंने अंत में कहा, ÷हमारे बहादुर सैनिकों के सपनों को आगे बढ़ाना और एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत को आकार देने में मदद करना अब हमारी युवा शक्ति पर निर्भर है।÷

श्री सेठ ने युवाओं के उत्साह की प्रशंसा की, साथ ही छात्रों को कारगिल के नायकों से प्रेरणा लेकर अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सशस्त्र बलों के बलिदान पर प्रकाश डाला ।

जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले में पंचतरणी के निकट वार्षिक अमरनाथ यात्रा के दौरान माउंटेन रेस्क्यू टीम (एमआरटी) का एक सदस्य एक तीर्थयात्री की सहायता करता हुआ।

मुंबई के अंधेरी सबवे पर बारिश के दौरान जलमग्न सड़क पर जलस्तर की जांच करते बीएमसी कर्मचारी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग 28-29 जुलाई, 2025 को हैदराबाद में 'खुली सुनवाई और शिविर

पीआईबी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), तेलंगाना के 109 कथित मानवाधिकार उल्लंघन मामलों की सुनवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए 28-29 जुलाई, 2025 को हैदराबाद में दो दिवसीय 'खुली सुनवाई और शिविर बैठक' आयोजित कर रहा है। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री वी. रामसुब्रमण्यन, सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी और श्रीमती विजया भारती सयानी 28 जुलाई, 2025 को सुबह 10 बजे से एमसीआर एचआरडी संस्थान, जुबली हिल्स, हैदराबाद में शिकायतकर्ताओं और संबंधित राज्य अधिकारियों की उपस्थिति में मामलों की सुनवाई करेंगी। इस दौरान आयोग के महासचिव श्री भरत लाल; महानिदेशक (जांच) श्री आरपी मीणा, रजिस्ट्रार (विधि) श्री जोगिंदर सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सुनवाई में जिन मामलों पर विचार किया जाएगा उनमें पुलिस कर्मियों द्वारा कथित तौर पर पद का दुरुपयोग, सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को लाभ से वंचित करना, जेलों में अनियमितताएं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा में कथित लापरवाही, राज्य भर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के अधिकार, महिलाओं के अधिकार जिनमें विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के सामने आने वाली स्वास्थ्य समस्याएं और मानव तस्करी आदि शामिल हैं। आयोग अगले दिन 29 जुलाई, 2025 को सुबह 11 बजे राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेगा और उन्हें विभिन्न मानवाधिकार मुद्दों और मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के महत्व के बारे में जागरूक करेगा।

14वें अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन सम्मेलन में समुदाय-संचालित सांस्कृतिक पर्यटन और नीतिगत नवाचार का आह्वान

पीआईबी

वडोदरा के लक्ष्मी विला पैलेस की भव्य पृष्ठभूमि में, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने 25 जुलाई 2025 को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, गुजरात पर्यटन, दिल्ली पर्यटन, इंडिगो और आईआरसीटीसी के सहयोग से अपना 14वां अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन सम्मेलन आयोजित किया। ÷खूयाल विरासत का÷ विषय पर आधारित यह सम्मेलन विरासत-आधारित पर्यटन के क्षेत्र में संवाद, कार्रवाई और वकालत के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम किया।

इस सम्मेलन में नीति निर्माताओं, गणमान्य हस्तियों, राजनयिकों, संरक्षण वास्तुकारों, पर्यटन पेशेवरों, खाद्य इतिहासकारों और सांस्कृतिक संरक्षकों की एक प्रतिष्ठित सभा आयोजित की गई, जिसमें आर्थिक पुनरुद्धार, सामुदायिक विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के लिए भारत की समृद्ध

विरासत का लाभ उठाने पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, गुजरात सरकार के पर्यटन, नागरिक उड्डयन, देवस्थानम प्रबंधन एवं तीर्थयात्रा सचिव श्री राजेंद्र कुमार (आईएएस) ने समावेशी विरासत पर्यटन के लिए गुजरात के सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर डालते हुए कहा, ÷हम न केवल स्मारकों का जीर्णोद्धार कर रहे हैं, बल्कि नौकरियों, बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक गौरव के माध्यम से स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ भी सुनिश्चित कर रहे हैं।÷

वडोदरा की शाही विरासत का प्रतिनिधित्व करते हुए, बड़ौदा के महाराजा समरजीतसिंह गायकवाड़ ने विरासत संरक्षण में प्रासंगिकता के महत्व पर जोर दिया। उन?होंने कहा, ÷विरासत को केवल पुरानी यादों के माध्यम से नहीं, बल्कि अगली पीढ़ियों को इसके साथ जोड़ते हुए जीवित रखा जाना चाहिए।÷ भारत पर्यटन मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक श्री मोहम्मद फारूक ने स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जो व्यंजनों, लोककथाओं, शिल्प और त्योहारों के माध्यम से पर्यटन स्थलों को जोड़ती हैं।

पीएचडीसीसीआई की पर्यटन समिति के सह-अध्यक्ष श्री राजन सहगल ने मुख?य भाषण देते हुए कहा, ÷विरासत पर्यटन पहचान, अर्थव्यवस्था और सशक्तिकरण से जुड़ा है। हमारा उद्देश्य नीतिगत नवाचार को गति देना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना है।÷

इस कार्यक्रम में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के छात्रों ने औपचारिक सरस्वती वंदना के जरिए सांस्कृतिक माहौल तैयार किया। इसके बाद पीएचडीसीसीआई-केपीएमजी हेरिटेज टूरिज्म रिपोर्ट का लोकार्पण किया गया, जिसमें विरासत संपत्तियों के पुनरुद्धार में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की भूमिका पर जोर दिया गया।

मुख्य सत्र और मुख्य अंशः

भव्य गुजरात मॉडलः चर्चा में शामिल लोगों ने कारीगरों की सहभागिता से लेकर निर्मित विरासत के अनुकूल पुनः उपयोग तक समुदाय-केंद्रित प्रथाओं को साझा किया। शेखावाटी विरासतः निजी विरासत मालिकों और पुनर्स्थापना ढांचे के लिए चुनौतियों और प्रोत्साहनों पर चर्चा की गई।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और एनएचएम के तहत 10.18 करोड़ महिलाओं की सर्विकल कैंसर की जांच की गई

पीआईबी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश भर में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की 10.18 करोड़ से अधिक महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा (सर्विकल) कैंसर की जाँच की जो महिला स्वास्थ्य क्षेत्र में मंत्रालय की एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच, रोकथाम और प्रबंधन हेतु जनसंख्या-आधारित पहल का हिस्सा है।

इस पहल में 30 से 65 वर्ष की आयु की महिलाओं को शामिल किया गया है। इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा एएएम के अंतर्गत उप-स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्य रूप से एसिटिक एसिड (वीआईए) के साथ दृश्य निरीक्षण का उपयोग करके स्क्रीनिंग की जाती है। वीआईए पॉजिटिव मामलों को

आगे के नैदानिक मूल्यांकन के लिए उच्च केंद्रों में भेजा जाता है।

इसमें जमीनी स्तर पर, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) महत?वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो जोखिमग्रस्त लोगों की पहचान करते हैं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग में उनकी भागीदारी को सुगम बनाते हैं। इसके लिए वे समुदाय आधारित मूल्यांकन जांच सूची (सीबीएसी) प्रपत्रों का उपयोग करते हैं। आशा कार्यकर्ता शीघ्र पहचान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में भी मदद करते हैं ।

सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य गतिविधियों को बढ़ावा देना और लक्षित संचार अभियान कैंसर नियंत्रण के निवारक पहलू को और मज़बूत बनाते हैं। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से मनाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग सर्विकल कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों पर निरंतर जन सहभागिता सुनिश्चित करता है ।

एनएचएम के अंतर्गत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार जागरूकता सृजन गतिविधियों के लिए समर्पित निधियां प्रदान की जाती हैं।

मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की स्क्रीनिंग में तेज़ी लाने के लिए 20 फ़रवरी से 31 मार्च 2025 तक एक समयबद्ध एनसीडी स्क्रीनिंग अभियान भी शुरू किया था। इस अभियान की सफलता ने वर्तमान उपलब्धि में योगदान दिया है।

जल जीवन मिशन की चुनौतियां

एजेंसी

केंद्र सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में जल जीवन मिशन (जेजेएम) - हर घर जल को अगस्त 2019 से कार्यान्वित कर रही है, जिससे कार्यात्मक नल जल कनेक्शन के माध्यम से देश के प्रत्येक गांवों के घरों में पीने योग्य पानी उपलब्ध कराया जा सके। जल जीवन मिशन की योजना पूरे देश में बनाने और उसे तेजी से लागू करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संतृप्ति योजनाओं और वार्षिक कार्य योजनाओं (एएपी) पर संयुक्त चर्चा और उन्हें अंतिम रूप देना, कार्यान्वयन की नियमित समीक्षा, कार्यशालाएं/सम्मेलन/ क्षमता निर्माण के लिए वेबिनार, प्रशिक्षण, ज्ञान साझा करना, तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए बहु-विषयक टीमों द्वारा क्षेत्र का दौरा आदि शामिल हैं। जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन के लिए एक विस्तृत परिचालन दिशानिर्देश; गांवों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) के लिए मार्गदर्शन और आंगनवाड़ी केंद्रों, आश्रमशालाओं और स्कूलों में पाइप से जलापूर्ति के लिए एक विशेष अभियान पर दिशानिर्देश राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किए गए हैं ताकि जल जीवन मिशन की योजना और कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

मिशन की शुरुआत में केवल 3.23 करोड़ (16.7 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में ही नल के पानी के कनेक्शन होने की सूचना थी। केंद्र और राज्यों, दोनों के सम्मिलित प्रयासों से, जल जीवन मिशन - हर घर जल के अंतर्गत लगभग 12.43 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 21 जुलाई 2025 तक, देश के 19.36 करोड़ ग्रामीण घरों में से 15.67 करोड़ (80.94 प्रतिशत) से अधिक घरों में नल के पानी की आपूर्ति होने की सूचना है।

दीर्घकालिक स्थिरता और नागरिक-केंद्रित जल सेवा वितरण हेतु बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता और ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए मिशन के निरंतर कार्यान्वयन के माध्यम से 100 प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने के लिए, माननीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण वर्ष 2025-26 के दौरान कुल परिव्यय में वृद्धि के साथ जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक बढ़ाने की घोषणा की है। कुल परिव्यय में वृद्धि के साथ जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक जारी रखने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

बीस लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / बीस लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्ग दर्शन में जिला पुलिस जांजगीर द्वारा अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के नेतृत्व में मुखबिर सूचना पर थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा आरोपी हीरा सिंग मरार के कब्जे से 20 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 5000 रूपये को बरामद किया जाकर आरोपी के विरुद्ध अपराध/धारा 34 (2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी शिवरीनारायण निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं थाना स्टाफका सराहनिय योगदान रहा।

विद्या निकेतन व ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

जांजगीर चांपा / एनएसएस इकाई विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ में आज दिनांक 26 जुलाई 25 को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय संचालक श्री नरेन्द्र कुमार पाण्डेय जी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजकुमार साहू (भूतपूर्व सैनिक कारगिल युद्ध) की उपस्थिति रहे। राजकुमार साहू जी ने बच्चों को बताया कि किस प्रकार बर्फीली पहाड़ों घुसे दुश्मन देश के सैनिकों को हमारे भारतीय जवानों ने मार भगाया और अपने तिरंगे की आन बान और शान के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। आदरणीय श्री नरेन्द्र कुमार पाण्डेय जी ने कहा कि हमें ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे असली हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा, मनोज कुमार पाण्डेय, वीरेंद्र यादव, आदि वीर जवान है देश के लिये जो कुछ उनके द्वारा किया गया उनका हमे सम्मान करना चाहिए और देश के लिए आवश्कता पढ़ने पर हर संभव हमे कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा । जहां कारगिल युद्ध की डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाया गया ताकि बच्चों को उस समय की घटना का क्रम का बोध हो सके।

जांजगीर नैला रेल्वे स्टेशन में अनेक सुविधा को लेकर विधायक कश्यप ने रेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जांजगीर-चांपा / विधायक ब्यास कश्यप ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव के कार्यालय में ज्ञापन दिया है। अपने ज्ञापन में उन्होंने जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन से संबंधित समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के संबंध में उल्लेख किया है। उन्होंने जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन के पश्चिम केबिन समपार में रेल ओव्हर ब्रिज निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया है। उन्होने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उक्त रेल ओव्हर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति अपने बजट में दे तो दी है लेकिन निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए राशि नही दी जा रही है। रेलवे प्रशासन की ओर से भी कुछ अड़चने हैं जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार किमी. 675/17-19 श्री नहरिया बाबा हनुमान मंदिर के पास 3 मीटर चौड़ी फुट ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य जिसके लिए 4.33 करोड़ की राशि प्रस्तावित है, की स्वीकृति भी लंबित है। उन्होने जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन में साउथ बिहार एक्सप्रेस, गोंडवाना एक्सप्रेस, एल.टी.टी. मुंबई-शालिमार एक्सप्रेस गाड़ियों के ठहराव की मांग भी रखी है। श्री ब्यास कश्यप ने अपने पत्र में लिखा है कि उपरोक्त सभी मांगें जनहित में अत्यावश्यक है। इन मांगों को लेकर 7 मई 2025 को जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन के सामने एक जन आंदोलन भी किया जा चुका है। मांगों पर शीघ्र अमल नही किये जाने की स्थिति में जनाक्रोश बढ़ने की बात श्री ब्यास कश्यप ने अपने पत्र में कही है।

जब किसान मजबूत होगें तब गांव, जिला व प्रदेश मजबूत होगा - राजकुमार साहू

सभापति ने किया अमोरा में किसानों को स्पेयर पम्प का वितरण

जांजगीर-चाम्पा।

जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने 15 वे वित्त के तहत नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अमोरा में किसानों कोस्पेयर पम्प का वितरण किया गया। सभापति श्री साहू द्वारा किसान रविशंकर साहू, बिहारी तिवारी, मनोज साहू, संतोष कुमार पटेल, लक्ष्मण प्रसाद कश्यप, हरीश कुमार कश्यप, रविन्द्र कश्यप, भरत कश्यप, अंतराम कर्ष, राजकुमार कश्यप, हेमन्त कुमार यादव, अरुण तिवारी, तिहारु केंवट, कार्तिक कश्यप, नारायण पटेल, शिव कश्यप, दिनेश साहू, खम्हन पटेल, इंद्रकुमार पटेल, प्रहलाद चौहान को निःशुल्क स्पेयर पम्प का वितरण किया गया। उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए सभापति श्री साहू ने कहा कि जब से प्रदेश व देश में भाजपा की सरकार बनी है तब से किसानों को सैकड़ो योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसान मजबूत होंगे तब गांव जिला व प्रदेश मजबूत होगा और जब प्रदेश मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच अमोरा राकेश कश्यप, खम्हन तिवारी सहित अनेकों किसान मौजूद रहे।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने दबोचा

जांजगीर चांपा / नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने धर दबोचा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी द्वारा दिनांक 11जुलाई 2025 के दोपहर में नाबालिक बालिका को सूनेपन का फायदा उठाकर छेड़छाड़ करने लगा पीड़िता जोर से चिल्लाई तो आरोपी वहां से भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 317/2025 धारा 74 BNS 8 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था।नाबालिग बालिका पर घटित अपराध* को गंभीरता से लेते हुए थाना अकलतरा पुलिस द्वारा आरोपी लोकेश कुमार बंजारे निवासी कोटमीसोनार को को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा, सउनि राजेन्द्र सिह क्षत्रिय, म.प्र.आर. राजकुमारी मार्को प्र.आर. विवेक सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मन की बात कार्यक्रम आज सुबह होगा

जांजगीर चांपा / भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के जिला उपाध्यक्ष एवं मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक विवेका गोपाल ने बताया 27 जूलाई दिन रविवार को प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा । उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष महामंत्री से अपने-अपने मंडल के बुथ अध्यक्ष से मन की बात कार्यक्रम का आयोजन करने को कहा है । उन्होंने भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को सूचना देकर मन की बात कार्यक्रम को गांव के गुड़ी ,चौपाल या सार्वजनिक स्थान पर भाजपा कार्यकर्ता के घर पर आम जनता के साथ एकत्रित होकर करने को कहा है । प्रधानमंत्री अपने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का विशेष तौर पर उल्लेख करते हैं , मन की बात सुनने के पश्चात बूथ केंद्र पर बुथ की आवश्यक संगठनात्मक बैठक भी वहीं करे ।

पुरानी रंजिश को लेकर एक राय होकर डण्डा राड से प्राणघातक हमला पांच आरोपियों सहित चार बालकों को मुलमुला पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / पुरानी रंजीश को लेकर एक राय होकर प्राणघातक हमला के पांच आरोपीयों सहित चार बालकों को मुलमुला पुलिस ने पकड़ा है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि आरोपियों द्वारा दिनांक 24 जुलाई 2025 तनीश पटेल के साथ हुये वाद विवाद की बात को लेकर रंजिश रखते हुए एक राय होकर राड, डण्डा, बेल्ट लेकर आहत के घर के पास जाकर अश्लील गाली गलौच करते हुए देते हुये घर अंदर घुसकर जान सहीत खत्म कर देगे कहकर धमकी देते हुये प्रार्थिया एवं उनके परिवार वाले को हत्या करने की नियत से प्राण घातक हमला किए। प्रार्थिया अमीषा पटेल निवासी कोनारगढ़ थाना मुलमुला की सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना मुलमुला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी प्रदीप कुमार सोरी के कुशल मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी मुलमुला पारस पटेल द्वारा आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा । पकड़े गए आरोपीयों में अजय केंवट , नितिश यादव उर्फ रज यादव ,प्रदीप पटेल , रामनारायण साहू उर्फ रामा , अरूण साहू उर्फ रामा साहू सभी निवासी कोनारगढ थाना मुलमुला शामिल है। विवेचना दौरान आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया एवं प्रकरण में शामिल विधी से संघर्षरत 4 बालक को विधिवत किशोर न्यायालय पेश उपरांत बाल संप्रेषण गृह भेजा जा चुका है। उपरोक्त कार्यवाही मे उप निरी. पारस पटेल थाना प्रभारी मुलमुला, सउनि फूलेश्वर सिंह सिदार, प्रमोद महार, प्र.आर. बलबीर सिंह, आरक्षक राजेन्द्र राठौर, हेमंत खरे, ओमप्रकाश डहरिया जितेन्द्र कुर्रे, यशवंत कश्यप, मनभावन पटेल का सराहनीय योगदान रहा।

शिवरीनारायण में श्रावण झूला 27 जुलाई से

जांजगीर चांपा / चित्रोत्पला गंगा के पावन त्रिवेणी संगम तट पर युग युगांतर से विराजित भगवान शिवरीनारायण की पावन धारा में श्रावण झूला महोत्सव श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया तदनुसार दिनांक 27 जुलाई 2025 से श्रावण शुक्ल पूर्णिमा 9 अगस्त 2025 तक आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार झूला का शुभारंभ दिनांक 27 जुलाई, दिन रविवार को शाम 5 महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज पूजा अर्चना के साथ करेंगे। यह झूला प्रत्येक दिवस शाम 5 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि शिवरीनारायण में प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में श्रवण झूले का आयोजन परंपरागत रूप से होता है। यहां नगर के सभी मंदिरों में झूला सजाकर भगवान की सेवा की जाती है। लोग दूर -दराज के क्षेत्रों से श्रावण झूला के अवसर पर भगवान का दर्शन करने के लिए यहां आते हैं और भगवान का दर्शन करके अपना जीवन धन्य बनाते हैं।

अग्र महासंघ या और कोई नाम के लिए सुझाव एवं परिचर्चा आमंत्रित.. जगदीश अग्रवाल

जांजगीर-चांपा – विभिन्न अग्र संस्थाओं के स्थान पर एक नव-विचारित, संविधान आधारित ÷अग्र महासंघ या और कोई नाम÷ के गठन संबंधी एक परामर्श हेतु प्रांतीय चेयरमैन जगदीश प्रसाद अग्रवाल श्री अग्रसेन प्रचार समिति छत्तीसगढ़ ने उक्त विषय पर समस्त अग्र बंधुओ से सुझाव एवं परिचर्चाआमंत्रण के लिए आग्रह किया है । उन्होंने श्री अग्रसेन संविधान सभा के माध्यम से रचित होने वाले भावी संविधान के मूलभूत बिंदुओं पर समस्त आम अग्रजन के स्वतंत्र विचार/ सुझाव सादर आमंत्रित किया है।

नामकरण – संस्था का नाम ÷अग्र महासंघ÷ या कुछ और रखा जाए,

विस्तार - संस्था का विस्तार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण विश्व में निवासरत समस्त अग्रजन पर होगा, आम सदस्य - अग्र कुल में जन्म लेने वाले सभी सदस्य, इस संस्था के आम सदस्य होंगे, सक्रिय सदस्य - अग्र कुल में जन्म लेने वाले सभी सदस्य, यथा निर्धारित शुल्क राशि जमा कर स्वैच्छिक रूप से ÷आजीवन सदस्यता÷ अथवा ÷संरक्षक सदस्यता÷ ग्रहण कर सकेंगे,

अग्रवाल की परिभाषा - महाराजा श्री अग्रसेन जी के 18 पुत्रों के नाम पर यथा गठित 18 गोत्रों में जन्मी सभी संतान, अग्र कुल के वंशज कहलाएंगे एवं ÷अग्रवाल÷ जाति नाम से परिभाषित होंगे। पत्र की प्रतिलिपि श्री अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन को प्रेषित की है ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर में गूंज रही है विकास की आवाज 'नियद नेल्ला नार' से शासन पहुँचा विश्वास के द्वार तक

संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के वे सुदूरवर्ती गाँव, जो वर्षों तक विकास की मुख्यधारा से कटे रहे, आज नई उम्मीदों और उजालों की ओर अग्रसर हैं। जहाँ कभी बिजली, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएँ और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहीं अब वही गाँव प्रगति के रास्ते पर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। इस बदलाव की नींव मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जन सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप 15 फरवरी 2024 को 'नियद नेल्लानार ङ्क आपका आदर्श ग्राम योजना' के रूप में रखी गई। यह योजना उन क्षेत्रों तक शासन की संवेदनशील और सक्रिय पहुँच सुनिश्चित करने का क्रांतिकारी प्रयास है, जहाँ अब तक केवल उपेक्षा और प्रतीक्षा का सन्नाटा था।

मुख्यमंत्री श्री साय का स्पष्ट मानना रहा है कि केवल सुरक्षा शिविर स्थापित कर देना पर्याप्त नहीं, जब तक वहाँ शासन की संवेदनशील उपस्थिति और समग्र विकास की किरण नहीं पहुँचे। इसी सोच के साथ बस्तर के पाँच नक्सल प्रभावित जिलों–सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा और कांकेर–में 54 नए सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए। इन शिविरों के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 327 गाँवों को चिन्हित कर यह निर्णय लिया गया कि इन सभी को शत-प्रतिशत योजनाओं से जोड़ते हुए एक नया विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाएगा।

इस पहल के साथ ही गाँवों में बदलाव की हवा बहने लगी है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने 31 नए प्राथमिक विद्यालयों की स्वीकृति दी, जिनमें से 13 स्कूलों में कक्षाएँ शुरू हो चुकी हैं। 185 आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना को स्वीकृति दी गई, जिनमें से 107 पहले ही प्रारंभ हो चुके हैं, जिससे बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा मिलने लगी है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में 20 उप-स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किए गए, जिनमें से 16 स्वास्थ्य केंद्र प्रारम्भ हो चुके हैं। ये वही गाँव हैं जहाँ पहले एक सामान्य दवा के लिए भी लोगों को मीलों जंगल पार करना पड़ता था।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में संचार और संपर्क साधनों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। पहले जहाँ मोबाइल सिग्नल का नामोनिशान नहीं था, वहाँ अब 119 मोबाइल टावरों की योजना बनी और 43 टावर कार्यशील हो चुके हैं। 144 हाई मास्ट लाइट्स की मंजूरी दी गई, जिनमें से 92 गाँवों में अब रात के अंधेरे में उजियारा फैलने लगा है।

सड़क और पुल निर्माण के लिए 173 योजनाएँ बनाई गईं, जिनमें से 116 को स्वीकृति मिल चुकी है और 26 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। यह विकास केवल अधोसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक भावनात्मक जुड़ाव और पहचान का सशक्त माध्यम बन चुका है। आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अब तक 70,954 लोगों के आधार कार्ड बनाए जा चुके हैं, 46,172 वृद्धजनों को आयु प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं और 11,133 नागरिकों का मतदाता पंजीकरण हुआ है, जिससे वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदार बन पाए हैं। 46,172 लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी कर मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 12,232 मकानों का लक्ष्य तय किया गया है, जिनमें से 5,984 परिवारों को स्वीकृति मिल चुकी है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत 4,677 किसानों को सहायता राशि प्रदान की गई है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 6,460 घरों में व्यक्तिगत शौचालय बनाए गए हैं। रसोई को धुएँ से मुक्त करने के उद्देश्य से 18,983 महिलाओं को उज्ज्वला और गौ-गैस योजना के तहत गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। 30 गाँवों में डीटीएच कनेक्शन भी दिए गए हैं, जिससे ये गाँव अब सूचना और मनोरंजन के मुख्य प्रवाह से जुड़ चुके हैं। यह परिवर्तन मात्र योजनाओं का संकलन नहीं है, बल्कि शासन और जनता के बीच एक नए भरोसे का रिश्ता है, जिसकी बुनियाद सहभागिता और पारदर्शिता पर टिकी है। वर्षों तक शासन से कटे रहे लोग अब स्वयं विकास की निगरानी में सहभागी बन रहे हैं। अब ग्रामीण स्वयं आंगनबाड़ी की उपस्थिति पंजी, राशन दुकान की गुणवत्ता और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी कर रहे हैं। यह वही बस्तर है, जो भय से विश्वास और उपेक्षा से भागीदारी की ओर बढ़ चला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की इस दूरदर्शिता ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन से आता है।

'नियद नेल्लानार' केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह बस्तर के पुनर्जागरण की यात्रा है–एक ऐसी यात्रा जिसमें बंदूक की जगह अब किताबें हैं, अंधेरे की जगह उजियारा है और असहमति की जगह अब सहभागी लोकतंत्र की भावना है।

खास खबर

राज्य स्तरीय रोजगार मेला आयोजन हेतु नियोजकों से रिक्तियां उपलब्ध कराने का अनुरोध

कोरबा संवाददाता। राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन जिला रायपुर में माह अगस्त 2025 में प्रस्तावित है।जिला रोजगार अधिकारी कोरबा द्वारा ऐसे नियोजक जो अपनी रिक्तियां रोजगार मेला के माध्यम से पूर्ति करना चाहते हैं, उन्हें रिक्तियों की जानकारी 31 जुलाई तक रोजगार कार्यालय के ई-मेल मउचमगबींदहमावतइं/हउंपसण्बवउ पर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।ताकि रिक्तियों की जानकारी जिला रायपुर में उपलब्ध कराया जा सके और रोजगार मेला में नियोजकों को शामिल किया जा सके।

एसईसीएल की भू-विस्थापित महिलाओं ने नौकरी के लिए अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया

कोरबा (आरएनएस)। एसईसीएल की कुसमुंडा मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में बड़ी संख्या में भू-विस्थापित महिलाओं ने कार्यालय के भीतर पहुंचकर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि उनकी जमीन पहले एसईसीएल ने अधिग्रहित की है, लेकिन अब तक उन्हें रोजगार नहीं दिया गया है। भू विस्थापितो का रोजगार प्रकरण काफी लंबे अरसे से रुका हुआ हैं जिस पर आवेदन करते कई वर्ष गुजर गए पर भूविस्थापितों को रोजगार नहीं मिल सका।

उन्होंने बताया कि पहले भी उन्होंने खदान में कई बार प्रदर्शन और हड़ताल की थी। भू- विस्थापित रोजगार एकता महिला किसान कुसमुंडा के अध्यक्ष का कहना है कि असली भू -विस्थापित के स्थान पर फर्जी तरीके से लगे हुए व्यक्तियों को हटाया जाय। साथ ही असली वारिस को रखने हेतू बार बार आवेदन किया गया था लेकिन अधिकारियों ने ठोस जवाब नहीं दिया। उल्टे कंपनी प्रबंधन ने 25 लोगों को जेल भेज दिया था। जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा

नगर निगम महापौर ने किया बालको जोन में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया

कोरबा (संवाददाता)।

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत बालको जोन कार्यालय एवं बालको जोन में निर्माणाधीन नाली व अन्य विकास कार्यों का औचक निरीक्षण नगर निगम महापौर ने किया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता हेतु संबंधित ठेकेदार को विशेष रूप से ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। जोन कमिश्नर एन.के. नाथ को कार्य की गुणवत्ता परीक्षण हेतु नमूना एनआईटी रायपुर भेजने हेतु निर्देशित किया। जोन कार्यालय बालको के औचक निरीक्षण में बिना सूचना के अनुपस्थित कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया।

इस दौरान मौके पर वॉर्ड 39 के पार्षद तरुण राठौर, वॉर्ड 42 पार्षद सत्येंद्र दुबे, पार्षद चेतन मैत्री, भाजपा बालकों मंडल अध्यक्ष दिलेंद्र यादव, रेणु प्रसाद, राजा, जय राठौर, बालकों महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना रुनिजा, जिला भाजयुमो अनुराग, अभिजीत त्रिपाठी आर, नारायण सहित समस्त मोहल्ले वासी उपस्थित रहे।

भारी बारिश से हुंकरा नाला उफान पर, 12 गांवों का टूटा संपर्क

कोरबा, । जिले में गुरुवार रात से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। कई इलाकों में जलभराव और नदी-नालों में उफान की स्थिति बनी हुई है। कोरबा रेवेन्यू सबडिवीजन के अंतर्गत आने वाले कुदमुरा क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में बहने वाला हुंकरा नाला शुक्रवार सुबह भारी बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गया। बारिश के पानी की रफ्तार इतनी तेज रही कि नाला उफान पर आ गया और सडकों के ऊपर से बहने लगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, नाले में पानी की ऊंचाई लगभग 5 फीट तक पहुंच गई है, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार हुंकरा नाला के ऊपर से तेज बहाव के कारण कुदमुरा और बरपाली से सटे करीब 12 गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इन गांवों में आवागमन का एकमात्र रास्ता हुंकरा नाला पार करके ही संभव था, लेकिन नाले की भयावह स्थिति ने ग्रामीणों को घरों में कैद कर दिया है। प्रभावित गांवों में प्रमुख रूप से कुदमुरा, बरपाली, डोंडरा, जामपानी, खैरझिटी, कर्राबेड़ा, मुड़ापार, बम्हनी, बेलतरा, जरेली, कुम्हारी व गोविंदपुर का नाम सामने आया है। इन गांवों के लोग आवश्यक सामग्री के लिए भी बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, जिससे संकट की स्थिति बनती जा रही है। गांवों में सावन और भादों के इस बारिश के मौसम को लेकर लोग बेहद चिंतित हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि अभी तो मौसम की शुरुआत है और नाले की यह स्थिति है, आगे क्या होगा यह सोचकर ही डर लग रहा है। यदि प्रशासन ने समय रहते वैकल्पिक मार्ग या पुल निर्माण की व्यवस्था नहीं की तो भविष्य में बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन की टीम को अलर्ट मोड में रखा गया है। फिलहाल, क्षेत्रीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जलस्तर के कम होने का इंतजार कर रहा है, ताकि आवश्यकतानुसार राहत और सहायता पहुंचाई जा सके।

कुचैना मार्ग पर भी सड़क बहा

कुसमुंडा-कुचैना-दीपका मार्ग पर पुल के निकट भारी बारिश की वजह से सडक के काफी हिस्से के धंसने व बहने के कारण इस मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। मार्ग पर इस सडक की दशा पहले से ही दयनीय थी। रात भर हुई बारिश ने और भी हालात खराब कर दिए।

जिले में धूमधाम से मनाया गया हरेली पर्व

० मंत्री लखनलाल देवांगन ने गेड़ी चढ़कर लिया पारंपरिक खेलों का आनंद

कोरबा कोरबा जिले में हरेली पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने दादरखुर्द और बालको नगर में गेड़ी चढ़कर और पारंपरिक खेलों में हिस्सा लिया। नारियल फेंक और कृषि औजारों की पूजा के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी त्योहार की धूम रही। कोरबा जिले में गुरुवार को हरेली पर्व बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने दादरखुर्द के भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर और बालको नगर के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। दादरखुर्द में मंत्री ने नांगर और कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान वे हरेली के रंग में रंगे नजर आए और गेड़ी चढ़ने के साथ-साथ पारंपरिक खेलों में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी भी मौजूद रहे। मंत्री देवांगन ने हरेली पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है, और हरियाली अमावस्या पर मनाया जाने वाला हरेली त्योहार यहां की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व किसानों द्वारा नांगर और कृषि औजारों की पूजा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और हरियाली की महत्ता को भी दर्शाता है।

कलेक्टर अजीत वसंत के मुख्य आतिथ्य में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय 4 कोरबा में राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण एवं परीक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

कोरबा संवाददाता

कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत (आईएएस) के मुख्य आतिथ्य में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय 4 कोरबा में गाइड्स के लिए राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण एवं परीक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स अंतर्गत यह शिविर केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर से सहायक आयुक्त रविन्द्र कुमार मौजूद रहे।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 कोरबा में राज्य पुरुस्कार प्रशिक्षण एवं परीक्षण शिविर का पांच दिवसीय कार्यक्रम कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत एवं अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 कोरबा के मुख्य आथित्य तथा रविन्द्र कुमार सहायक आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति में आरंभ हुआ। कलेक्टर अजीत वसंत जिलाधिकारी एवं सहायक आयुक्त रविन्द्र कुमार सहायक आयुक्त के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय के प्राचार्य बी.एस. अहीरे ने श्री वसंत को स्कार्फ पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। जी.आर. जांगड़े ने सहायक आयुक्त रविन्द्र कुमार को स्कार्फ एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। टी.वी. माधवन शिविर नायक का स्वागत विनोद कुमारा वर्मा ने किया। विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने शिविर के परीक्षक एस रिछारिया तथा अन्य प्रशिक्षण अधिकारियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत एवं गणेश वंदना की प्रस्तुती दी गई। स्वागत भाषण बी.एस. अहीरे प्राचार्य के द्वारा दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम योग नृत्य तथा राजस्थानी घूमर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के बाद टी.वी. माधवन शिविर नायक ने शिविर के मुख्य उद्देश्य एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा उपस्थित स्काउट्स, शिक्षक-शिक्षिका एवं अभिभावकों को संबोधित किया गया। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के द्वारा आयोजित राज्य पुरुस्कार प्रमाणपत्र शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन होने लिए अपनी शुभकामनाएं दी। स्काउट्स एवं गाइड्स को समाजसेवा तथा राष्ट्रसेवा के कार्यक्रमों में शामिल होने तथा योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य बीएस अहीरे ने विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए ओपन जिम की मांग की, जिसे पूर्ण करने की घोषणा कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा की गई। जिसकी शिविरार्थी स्काउट्स ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। पीजीटी हिंदी जी.आर. जांगड़े ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन संजय कुमार राजपूत द्वारा किया गया।

शिक्षिका और बेटी के साथ मारपीट, पति समेत सास-ससुर गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

कोरबा बालको थाना क्षेत्र के शांति नगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पारिवारिक विवाद के चलते एक शिक्षिका और उसकी बेटी के साथ मारपीट की गई। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति शांति कुमार कश्यप ने सास-ससुर के साथ मिलकर उसे और उसकी बड़ी बेटी को बुरी तरह पीटा। यह घटना 20 जुलाई की है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। जानकारी के अनुसार, 37 वर्षीय पीड़िता वर्ग-3 की शिक्षाकर्मी हैं और अपने दो बेटियों एवं एक बेटे के साथ गायत्री मंदिर रोड स्थित किराए के मकान में रहती हैं। वर्ष 2021 में पति से विवाद के बाद वह बच्चों को लेकर अलग रहने लगी थीं। हालांकि, समय-समय पर बच्चों को पिता से मिलवाने या जरूरी काम के लिए वह पति के घर जाती थीं। घटना वाले दिन यानी 20 जुलाई की सुबह 11.30 बजे पीड़िता अपने तीनों बच्चों के साथ शांति नगर स्थित पति के घर गई थीं। उस वक्त पति शांति कुमार बालको प्लांट में ड्यूटी पर था। घर पहुंचते ही सास मालती कश्यप और ससुर रघुनाथ कश्यप ने पीड़िता से गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ देर बाद पति के घर लौटते ही उसने पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बच्चे लगातार 'मम्मी को मत मारो' कहते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। मारपीट के दौरान आरोपी ने अपनी बड़ी बेटी को भी पीट दिया। इस घटना में पीड़िता और उसकी बेटी को गंभीर चोटें आईं। उसी दिन पीड़िता ने बालको थाना पहुंचकर पति, सास और ससुर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

गले में चना अटकने से हुई दो साल के बच्चे की मौत

परिजनों का आरोप-डॉक्टर की लापरवाही से गई जान, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

कोरबा । गले में चना अटकने से दो साल के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया, जबकि डॉक्टरों ने दावा किया कि बच्चे की हालत पहले से ही गंभीर थी। कोरबा में दो साल के बच्चे दिव्यांश कुमार की गले में चना अटकने से मौत हो गई। बच्चे के चाचा गोलू बंसल ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि दिव्यांश अपने घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह कमरे में पहुंचा और वहां रखे चने को निगल लिया, जो उसके गले में अटक गया। गले में चना अटकने से बच्चा रोने लगा और उसे सांस लेने में तकलीफहोने लगी। परिजन तुरंत उसे कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, लेकिन वहां उपचार में देरी हुई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने बार-बार कहा कि सीनियर डॉक्टर देखेंगे और इस देरी के कारण बच्चे की हालत बिगड़ती गई। अंततः उसकी मौत हो गई। गोलू बंसल ने बताया कि वे सुबह आठ बजे से अस्पताल में थे, लेकिन शाम तक बच्चे का समुचित इलाज नहीं हो सका। परिजनों ने डॉक्टरों की लापरवाही को बच्चे की मौत का कारण बताया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया और वे

जंगल से निकलकर गांव में आतंक मचा रहे सियार, ग्रामीणों में दहशत

कोरबा , संवाददाता । जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत आने वाले जटगा और केंदई रेंज के जंगल से निकलकर आसपास के गांव में सियार आतंक मचा रहे हैं। चार से पांच की संख्या में सियार (सिकटा) दिनदहाड़े और रात के वक्त बच्चों से लेकर बड़े और जानवरों तक को अपना निशाना बना रहे हैं। सियारों ने एक हफ्ते से आतंक मचा रखा है और कई लोग इससे प्रभावित हो चुके हैं, लेकिन सूचना देने के बाद भी वन विभाग के कर्मचारियों का रवैया उदासीन बना रहता है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सियार वैसे तो करीब एक महीने से परेशान कर रहे हैं, लेकिन पिछले एक हफ्ते से इनका आतंक कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। ग्राम

हड़मोड़ में सियार ने घर के बाहर खेल रहे 3 साल के मासूम बच्चे को दिनदहाड़े काट लिया। तीन दिन पहले ही शाम के वक्त ग्राम कोटवार शंकर को सियार ने तब काट लिया जब वह शोर मचने पर अपने घर के दरवाजे पर आकर खड़ा था। एक ग्रामीण ने बताया कि वन कर्मियों को जानकारी दी गई थी कि सियार आतंक मचा रहे हैं और 3 साल के बच्चे को भी काट लिया है, लेकिन आने की बात कह कर कोई भी वन कर्मी गांव नहीं पहुंचा और न ही घायलों का हाल जानने की फर्सत मिली।

बताया गया कि सियारों ने कई जानवरों को भी काट कर जख्मी कर दिया है। ग्राम हड़मोड़ के अलावा देवमट्ठी, आमाटिकरा जटगा आदि आसपास के गांव में सियारों की दहशत है। ग्रामीण रतजगा कर सियार की तलाश में भी लगे रहते हैं ताकि सतर्क किया जा सके। आमाटिकरा में दो दिन पहले एक वृद्ध किसान को सियार ने तब काट लिया जब वह खेत में काम कर रहा था। उस किसान को अस्पताल ले जाने के संबंध में वन कर्मी को सूचना दी गई कि उसे अस्पताल ले जाना है,लेकिन वन कर्मी ने कहा कि अपने साधन से आ जाओ फिर यहां से ले जाएंगे। करीब 10 से 12 किलोमीटर दूर गांव में सियार का शिकार हुए वृद्ध की हालत ऐसी नहीं थी कि वह किसी के बाइक में पीछे बैठकर जा सके क्योंकि उसे लगातार चक्कर आ रहे थे। काफी इंतजार के बाद अंततः डायल 112 वाहन में बिठाकर पीडित ग्रामीण को अस्पताल ले जाया गया।

नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय अधिकारियों की टीम के साथ उतरे सड़क

० साफ सफाई कार्य व गंदगी करने वालों के विरूद्ध दी चेतावनी

० सख्त कार्यवाही व अर्थदंड के दिये निर्देश

कोरबा कोरबा नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम प्रतिदिन सुबह-सुबह शहर की सड़कों पर विचरण करते हुये व्यवस्थाओं को देखने तथा सुधार की दिशा में कार्य कर रही है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त श्री पाण्डेय ने घंटाघर चैक से होते हुये महाराणा प्रताप चैक, टी.पी. नगर चैक, नया बस स्टैण्ड, लालूराम कालोनी, सुनालिया चैक, डी.डी.एम. रोड के पास लायंस गार्डन तक के मुख्य मार्ग का भ्रमण कर अव्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा साफ-सफाई कार्य, अवैध अस्थाई दखल, सी.एण्ड डी. वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री डम्पिंग, अतिक्रमण व गदंगी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही, चेतावनी एवं अर्थदंड किये जाने आदि के निर्देश अधिकारियों को देते हुये व्यवस्थाओं में सुधार करने का अल्टीमेटम दिया। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों, स्वच्छता कार्य एजेंसियों व अव्यवस्था फैलाने वालों को कड़ा संदेश देते हुये कहा कि प्रतिदिन

अधिकारी कर्मचारी सुबह-सुबह शहर का भ्रमण करें, अव्यवस्थाओं का जायजा लें तथा उनमें तत्काल सुधार लाने की जमीनी कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों की टीम के साथ घंटाघर चैक से महाराणा प्रताप चैक, महाराणा प्रताप चैक से होते हुवे गुरू घासीदास चैक तक के मुख्य मार्ग का भ्रमण कर हुये साफ-सफाई कार्यो व शहर की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलूओं का सघन रूप से जायजा लिया। उन्होने घंटाघर चैक स्थित मिनीमाता कालेज के समीप रेलिंग स्थित नालियों के पीछे काफी मात्रा में उत्सर्जित कचरे के ढेर को देखकर वहॉ पर स्थित अस्थाई दुकानदारों से कहा कि यदि वे यहॉ पर कचरे फैलाते पाये गये तो उनके विरूद्ध जुर्माने आदि की कार्यवाही की जावेगी। इसी कड़ी में महाराणा प्रताप चैक के पास सर्कस मैदान व बाईपास रोड के विभिन्न स्थानों का अधिकारियों के साथ साफ-सफाई कार्यो का निरीक्षण करते हुवे पाया गया कि गुरू घासीदास चैक स्थित चाय नाश्ता की दुकानों के सामने डस्टबिन नहीं रखने पर जुर्माने की कार्यवाही अधिरोपित की गई तथा इन दुकान संचालकों को कड़ी हिदायत दिया गया कि वे अपने प्रतिष्ठानों, दुकानों में डस्टबिन अवश्य रखें एवं आने वाले ग्राहकों से कहा कि वे डिस्पोजल आदि सामग्रियों को डस्टबिन में ही डालें।

चिमनीभट्ठा व सुनालिया चैक स्थित मुख्य मार्ग के किनारे चाय-नाश्ता, आटो पार्ट्स, गैरेज आदि के दुकानों से निकले हुए कचरे को इधर-उधर फेंक दिया जाता है। जिसे गंभीरता से लेते हुये आयुक्त श्री पाण्डेय ने दुकानादारों को कड़ी चेतावनी देते हुये कहा कि वे अपने प्रतिष्ठानों, दुकानों से निकले हुये उत्सर्जित कचरे को संग्रहित करके रखें तथा डोर-टू-डोर आने वाली स्वच्छता दीदियों के रिक्शें में ही इसको देवें। भ्रमण के दौरान सड़क पर सफाई कर रही स्वच्छता दीदियों व सफाई कर्मियों ने आयुक्त श्री पाण्डेय से शिकायत करी कि झाड़ू लगाने के तत्काल बाद कतिपय दुकानदारों द्वारा उक्त स्थल पर पुनः प्लास्टिक पन्नी व कचरा फेंक दिया जाता है।

इससे सफ ाई प्रभावित होती है, इसे गंभीरता से लेते हुए आयुक्त श्री पाण्डेय निगम की सफाई एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे कचरा फेंकने वालों की फोटो मोबाईल पर लें तथा इसे तत्काल संबंधित स्वच्छता निरीक्षक व स्वास्थ्य अधिकारी को भेंजे, ताकि सड़क नाली में कचरा डालने वालों के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही की जा सके। उन्होने टी.पी. नगर स्थित नया बस स्टैण्ड का निरीक्षण करते हुये पाया कि वहॉ पर संचालित सुलभ इंटरनेशनल व पिंक टायलेट में शुल्क लिया जा रहा है कि शिकायत मिलने पर केयरटेकर से कहा गया कि इन दोनों को निःशुल्क रखा जावे, जिससे आने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिल सके।

हरेली तिहार के कार्यक्रम में महापौर ने की शिरकत

कोरबा । जिले में कन्नौजिया राठौर नवचेतना समिति के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ के पहले त्यौहार हरेली तिहार में संस्कृति को बढ़ावा देने और बच्चों तक जागृति एवं प्रेरणा के लिए आयोजित कार्यक्रम में कोरबा की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती सजुं देवी ने शिरकत की।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कंचे, गेडी, रस्सी खींच में भाग लिया और समाजसेवा से ही यहां तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज हितों के कार्यो के लिए स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम में कन्नौजिया राठौर समाज के जिला अध्यक्ष सीताराम राम राठौर ने हरेली त्यौहार की विस्तृत जानकारी दी। पूर्व अध्यक्ष नंद किशोर साव ने समाज के विषय में जानकारी दी, जबकि सचिव हरीश कुमार राठौर ने कार्यक्रम का संचालन किया। राजेश राठौर ने मंच संचालन किया और आभार नवचेतना समिति के अध्यक्ष विजय कुमार राठौर ने किया।

उक्त कार्यक्रम में उधो लाल राठौर, राजेश राठौर सहित कई अतिथि उपस्थित रहे। नवचेतना समिति के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण में कार्य में विजय कुमार साहू, गोविंद राठौर, मुकेश, मुलचंद, योगेंद्र साहू, भूपेंद्र, राजेश, सचिव परमानंद राठौर, उमेश, संजीव, संजय, श्रीराम, अमिरलाल, अमरेश, अमर, कृष्णा, शत्रुघन, लव, कुश, घनश्याम, सुमंत रामकुमार, कुष्णा, संतोष आदि सदस्यों का योगदान रहा है।

मौसम विभाग ने भारी वर्षा को लेकर जारी किया रेड अलर्ट

0-28 जिलों में हो रही झमाझम वर्षा

0-नदियों एवं मौसमी नालों का बढ़ा जल स्तर

रायपुर, राजधानी सहित पूरे प्रदेश में आज झमाझम वर्षा हो रही है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री आज वर्षा के बावजूद अपने गृहग्राम बगिया हेलीकॉप्टर से पहुंचे। भारी वर्षा होने के कारण महानदी, शिवनाथ, केलो, खारून, इन्द्रावती सहित अन्य नदियों के जल स्तर बढ़ते जा रहे हैं। वहीं मौसमी नालाओं में भी जल स्तर बढ़ने के कारण कई जगह यातायात प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा से मिली जानकारी के अनुसार खाड़ी में एक अवदाब बनने से यहां पर अच्छी वर्षा हो रही है। जिसके कारण ओड़िसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं पूर्व मध्यप्रदेश में अच्छी वर्षा हो रही है। आज सभी 28 जिलों में झमाझम वर्षा हो रही है, जिसके कारण कृषि कार्य में तेजी आ गई है।

भारी वर्षा में मुख्यमंत्री की यात्रा भी प्रभावित

हमारे जशपुर संवाददाता के अनुसार मुख्यमंत्री आज जशपुर जिले के ग्राम बगिया में अपने गृहग्राम पहुंचे । उन्हें दोपहर राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में आनाथा, लेकिन वर्षा के कारण उनका कार्यक्रम बाधित होते रहे। वेसे कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं रखा गया है, वे अपने परिवारजनों से मिलने गए हैं। वर्षा के कारण कव्हरेज करने वाले मीडिया कर्मी भी नहीं पहुंच पा रहे हैं।

दक्षिण बस्तर एवं उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा

झारखण्ड के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र तथा द्रोणिका निर्मित होने के कारण उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा के अंतर्गत आने वाले सूरजपुर, बलरामपुर, अम्बिकापुर तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ नारायणपुर,बीजापुर, तथा कांकेर में भी भारी वर्षा हो रही है। **अवदाब बनने से हो रही वर्षा** मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि एक अवदाब तटीय पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश तट के पास स्थित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे उत्तर उड़ीसा, झारखंड की ओर अगले 24 घंटे में पहुंचने की संभावना है। मानसून द्रोणिका जम्मू, चंडीगढ़, बरेली, गोरखपुर, पटना, बांकुरा, कोलकाता, अवदाब के केंद्र तक स्थित है।

हॉस्टल वार्डन की बेरहमी, छात्रों को रॉड से बुरी तरह पीटा, अस्पताल में भर्ती कराए गए बच्चे

0 जगदलपुर के नवोदय विद्यालय का है मामला

0 सात छात्रों की बेरहमी से पिटाई, परिजन आक्रोशित

0 वार्डन सौरभ अवस्थी पर लगा दरिंदगी का आरोप

0 बर्दाश्त नहीं की जाएगी बच्चों से क्रूरता : बघेल

जगदलपुर, । हर माता पिता की ख्वाहिश रहते है कि उनके बेटे बेटियों को नवोदयविद्यालय में दाखिला मिले, मगर जगदलपुर के नवोदय विद्यालय जो कारनामे हो रहे हैं, उसे देख सुनकर हर माता पिता के रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यहां हॉस्टल वार्डन ने मासूम छात्रों के साथ जो दरिंदगी की है, उसे देख पत्थर दिल भी रोने लग जाएंगे। दरअसल नवोदय विद्यालय जगदलपुर एक बार फिर विवादों में आ गया है। ताजा मामला स्कूल के हॉस्टल वार्डन द्वारा सात छात्रों की बेरहमी से पिटाई से जुड़ा है। इस घटना से अभिभावकों और समाज में आक्रोश भर दिया है।परिजनों के अनुसार यह घटना सोमवार रात की है। हॉस्टल की बिजली अचानक गुल हो गई। अंधेरा होते ही कुछ छात्र अपने कमरे में नाच-गाना करने लगे। तभी हॉस्टल वार्डन सौरभ अवस्थी वहां जा पहुंचे। वे बच्चों पर टूट पड़े। अवस्थी ने लोहे की रॉड से छात्रों को पीटना शुरू कर दिया। छात्रों की पीठ, बांह, पैरों पर ताबड़तोड़ वार किए। बच्चे चीख पुकार मचाते रहे, रोते बिलखते रहे, मगर वार्डन अवस्थी ने तरस नहीं खाई। हमले में कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनके निशान अब भी उनके शरीर पर साफदेखे जा सकते हैं। घटना के अगले दिन घायल छात्रों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताते हैं कि वार्डन द्वारा छात्रों के साथ ? सी अमानवीयता पहले भी कई बार की जा चुकी है। कुछ शिक्षक भी बच्चों पर जुल्म ढाते हैं। इस पूरी घटना की आधिकारिक पुष्टि स्कूल प्रबंधन द्वारा अब तक नहीं की गई है।

शार्ट न्यूज

पीएचई विभाग की भर्ती प्रक्रिया में डिप्लोमा बनाम डिग्री का विवाद, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी नजरें

रायपुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) में उप अभियंता सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल के 118 पदों पर निकाली गई भर्ती प्रक्रिया एक नए विवाद में फंस गई है। यह मामला अब डिप्लोमा बनाम डिग्री की तर्ज पर एक बड़ी कानूनी लड़ाई बन गया है, जिसकी अंतिम सुनवाई अब सर्वोच्च न्यायालय में होगी।

सरकार द्वारा जारी भर्ती विज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तीन वर्षीय डिप्लोमा होगी। लेकिन इस पर आपत्ति जताते हुए डिग्री धारकों ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की, जहां से उन्हें राहत मिली। इसके बाद पूरी भर्ती प्रक्रिया पर असमंजस की स्थिति बन गई। डिप्लोमा धारकों ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि देश की बड़ी-बड़ी तकनीकी संस्थाएं जैसे ISRO, DRDO और PSU में भी पद की प्रकृति के अनुसार शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की जाती है। चूंकि यह पद जूनियर इंजीनियर का है, इसलिए डिप्लोमा ही इस पद के लिए उपयुक्त योग्यता होनी चाहिए। इसके साथ ही डिप्लोमा अभ्यर्थी 7 नवंबर 2024 को आए सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण फैसले का हवाला दे रहे हैं, जिसमें कहा गया था कि किसी भी भर्ती प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। अब इस पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार है, जो न केवल इस भर्ती के लिए बल्कि भविष्य की तकनीकी भर्तियों के लिए भी दिशा तय करेगा। लाखों डिप्लोमा धारक युवाओं की उम्मीदें अब शीर्ष अदालत के फैसले पर टिकी हैं।

दोस्तों ने ही की थी युवक की हत्या, प्रेम-प्रसंग को लेकर था विवाद

रायपुर,)। राजधानी रायपुर के राखी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेन्द्री स्थित गिट्टी खदान में युवक की हत्या कर शव को डबरी में फेंकने के मामले का खुलासा हो गया है। मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो मृतक दोस्त निकले। एक युवती को लेकर हुए विवाद के बाद की गई थी युवक की हत्या।

बता दें कि 24 जुलाई को राखी थाना और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि ग्राम बेन्द्री स्थित गिट्टी खदान की डबरी में एक बोरी में युवक का शव तैर रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला, जो सड़ी-गली हालत में था और धारदार हथियार से किए गए वार के निशान थे। मृतक के सिर और चेहरे को पत्थर से बुरी तरह कुचला गया था जिससे उसकी पहचान छिपाई जा सके। शव की पहचान मंदिर हसौद निवासी दिनेश मानिकपुरी उर्फ मॉडल (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई। जांच में पता चला कि दिनेश को आखिरी बार गांव के ही साहेब दास मानिकपुरी और सोहन उर्फ पिंटू के साथ एक्टिवा पर देखा गया था। पूछताछ में पहले तो दोनों आरोपी पुलिस को गुमराह करते रहे, लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ हुई तो उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों ने बताया कि तीनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे, इसी दौरान गांव की एक लड़की से प्रेम संबंध को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में आकर साहेब दास और सोहन ने दिनेश के पेट और गले पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पत्थर से चेहरा कुचलकर शव को बोरी में भरकर पानी भरी डबरी में फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक्टिवा और मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने आधुनिक एम्बुलेंस को दिखायी हरी झंडी, ग्रामीण इलाकों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

0 0 स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री की दूरदर्शी पहल

0 सीएसआर निधि से प्रदत्त एम्बुलेंस में उपलब्ध है बेसिक लाइफसपोर्ट समेत आधुनिक सुविधाएँ

रायपुर,

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के ग्राम बगिया स्थित कैम्प कार्यालय परिसर से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एम्बुलेंस बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) निधि से प्रदत्त है, जिसमें बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम सहित अन्य उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

यह एम्बुलेंस मुख्य रूप से मनोरा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रखी जाएगी, जिसकी सेवाएँ आवश्यकता अनुसार पूरे जिले में ली जा सकेंगी। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा परिवहन सेवा सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में गंभीर रूप से बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सहायता मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार हर व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण और त्वरित स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने के लिए कृतसंकल्पित है। उनकी पहल पर विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए अनेक योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। उन्होंने बताया कि कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज और 50 बिस्तर वाला मातृ एवं शिशु अस्पताल, जशपुर में प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना का कार्य प्रगति में है।

इस अवसर पर सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की तरक्की में सुनिश्चित हो रही युवाओं की सक्रिय भागीदारी

रायपुर, इस योजना के तहत प्रदेश के युवाओं को नवा रायपुर स्थित आईआईआईटी में इनटेलिजेंस एण्ड डाटा साइंस जैसे भविष्यगामी एवं व्यावहारिक कोर्स में एमटेक करने का अवसर मिलेगा। डिजिटल इंडिया मिशन और नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार इस पाठ्यक्रम से युवा आधुनिक तकनीक के साथ ही शोध और नवाचार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे । इस योजना के अंतर्गत पूरी ट्यूशन फीस राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी साथ ही छात्रों को ? 50,000 प्रतिमाह की फेलोशिप भी प्रदान की जाएगी। इस पाठ्यक्रम में युवाओं को एआई, क्लाउड कम्प्युटिंग, डाटा एनालिटिकस, हेल्थटेक, एजुकेशनटेक, रेवेन्यू और ई-गवर्नेंस से जुड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। प्रदेश के अधिक से अधिक युवा इस अवसर का लाभ उठाएं, इसके लिए पर जाकर आवेदन करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए केवल एक करियर विकल्प नहीं बल्कि तकनीक के माध्यम से समाज में योगदान देने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा और प्रदेश को डिजिटल युग में अग्रणी बनाएगा।

मवेशी तस्करी करते पिकअप चालक गिरफ्तार

रायपुर, पारागांव से निजरा के मध्य आरंग पुलिस ने मवेशी तस्करी करते पिकअप चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मवेशी से दो भैंस और एक पड़िया जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार आरंग पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पारागांव से निजरा के मध्य दबिश देकर पिकअप क्रमांक सीजी 06 जीजे 5902 को रोककर तलाशी लिए तो उसमें दो भैंस और एक पड़िया मिला। मामले में पुलिस ने आरोपी चालक आशीष यादव 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में पशु अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

गांजा के साथ बुजुर्ग गिरफ्तार

रायपुर, गोबरानवापारा पुलिस ने कृषि उपज मंडी के पास गांजा के साथ एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 किलो 500 ग्राम गांजा जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार गोबरानवापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नवापारा स्थित कृषि उपज मंडी के पास दबिश देकर आरोपी घसीया साहू 75 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 किलो 500 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

उप राष्ट्रपति के रिक्त पद के लिए छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता देने मांग की दीपक बैज ने

-प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, रमन सिंह, रमेश बैस, ननकी राम कंवर को प्रत्याशी बनाए जाने पर करें विचार

रायपुर, । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने देश में उप राष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेताओं को वरियता देने की मांग प्रधानमंत्री से की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में संसदीय परंपरा के जानकार कई वरिष्ठ नेता है, जिनमें डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस तथा ननकी राम कंवर को प्रत्याशी बनाया जाए। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना कार्यकाल होने से पहले इस्तीफा दे दिया है। जिसके कारण भाजपा में सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी अपनी सहयोगी दलों को भी प्रत्याशी चयन कर चर्चा कर रही है। दीपक बैज ने पत्र में लिखा कि छत्तीसगढ़ का राज्यसभा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व है, इसलिए छत्तीसगढ़ से किसी वरिष्ठ भाजपा नेता को उप राष्ट्रपति के प्रत्याशी बनाया जाए। उन्होंने सुझाव भी दिया कि इसके लिए रमन सिंह और रमेश बैस उपयुक्त उम्मीद्वार हो सकते हैं।

चुनावी अंक गणित सीईओ कार्यालय रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारियां शुरू हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा में 786 सदस्य उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे, जीत के लिए 394 सीट जरूरी है। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार इस चुनाव में विधायकों की कोई भूमिका नहीं होती है, सिर्फ राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य ही इसका निर्वाचन करते हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव आयोग द्वारा शीघ्र ही नोटिफिकेशन जारी कर किया जाएगा। इसके पश्चात चुनाव की तिथि घोषित कर दी जाएगी। यदि विपक्ष कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं करता तो भाजपा समर्थित प्रत्याशी निर्विरोध चुना जाएगा।

प्रत्याशियों को लेकर अटकले शुरू

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा छत्तीसगढ़ को वरियता देने के पश्चात यहां पर चर्चा का नया दौर शुरू हो गया है। उप राष्ट्रपति पद के लिए मंथन शुरू हो गया है। बिहार और पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए यहां से किसी दमदार नेता को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। देश के प्रधानमंत्री इस समय बाहर गए हुए हैं।

मोबाईल दुकान से लाखों की चोरी कर भाग रहे चोर नागपुर में पकड़ाये

)रायपुर,। राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब स्थित शोभा टेलीकॉम दुकान का ताला तोड़कर लाखों का मोबाईल फोन तथा नदगी एक लाख रूपये चोरी करने वाले 2 नाबालिग समेत 4 आरोपियों को सिविल लाइन पुलिस और एंटी क्राइम यूनिट ने गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी नवीन पिंजानी और शेख इमरोज को नागपुर से ट्रेन में पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के कुल 87 मोबाइल फोन, नगदी 20 हजार रूपये और दो एक्टिवा जब्त किया है। आरोपी शेख इमरोज पहले भी लूट और आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। पूरे मामले का खुलासा आज रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने किया है।

बता दें कि कटोरा तालाब स्थित शोभा टेलीकॉम मोबाइल दुकान के संचालक प्रार्थी विशाल विरनानी ने थाना सिविल लाईन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जुलाई 2025 को रात्रि 10 बजे अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। अगले दिन सुबह 6.30 बजे पड़ोसी ने उसे फोन कर बताया कि आपके दुकान का आधा शटर खुला हुआ है। दुकान जाकर देखा तो दुकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखें विभिन्न कंपनियों के नये एवं पुराने मोबाइल फोन एवं नगदी रकम नहीं था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के दुकान में लगे शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर दुकान में रखे कुल 87 नग नए/पुराने मोबाइल फोन, नगदी रकम, मोबाइल बिल एवं रजिस्टर को चोरी कर ले गया था. प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाइन में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना सिविल लइन पुलिस की संयुक्त टीम ने घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया। टीम के सदस्यों ने घटना स्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाए. अज्ञात आरोपी की पतासाजी के संबंध में तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही हाल ही में जेल से रिहा हुये चोरी के आरोपियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र की गई.

हमारी सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए संकल्पित है : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया रक्त-मित्र पुस्तिका का विमोचन, रेडक्रॉस के आजीवन सदस्यों को किया सम्मानित

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जो न केवल किसी जरूरतमंद को जीवनदान देता है, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सेवा भावना का श्रेष्ठतम उदाहरण भी है। मुख्यमंत्री श्री साय आज जशपुर जिले के ग्राम बगिया में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रक्त-मित्र डायरेक्ट्री एक ऐतिहासिक और सराहनीय पहल है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति समय पर रक्तदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित कर सकता है। यह पहल जीवनरक्षक सहायता को सहज, सुलभ और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जशपुर जिले में हर वर्ग के नागरिक स्वैच्छिक रक्तदान और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं और समाज सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। आज रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ, क्योंकि जीवनदान देने वाला व्यक्ति वास्तव में ईश्वर के समकक्ष होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि रक्त का हमारे जीवन में क्या महत्व है। सही समय पर उपयुक्त रक्त समूह का रक्त मिलने से किसी के प्राणों की रक्षा की जा सकती है, इसलिए रक्तदान को 'महादान' कहा गया है। राज्य में रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से सर्वाधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जो जनसेवा की उत्कृष्ट मिसाल है। मैं इस मंच से प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूँ कि वे यथासंभव रक्तदान कर इस जीवनरक्षक कार्य में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। हाल ही में हमने एम्बुलेंस सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि मैं सभी नागरिकों को यह आश्वस्त करना चाहता हूँ कि हमारी सरकार प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कैम्प कार्यालय बगिया में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जशपुर के आजीवन सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए और रक्त-मित्र पुस्तिका का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने श्री नीरज शर्मा, श्री अजय कुमार कुशवाहा और श्री शिव नारायण सोनी को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि रक्त-मित्र डायरेक्ट्री, जिला प्रशासन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला जशपुर की एक अभिनव पहल है, जिसके अंतर्गत 480 स्वैच्छिक रक्तदाताओं के नाम एवं मोबाइल नंबर सूचीबद्ध किए गए हैं। इस डायरेक्ट्री के माध्यम से जब भी किसी मरीज को रक्त की आवश्यकता होगी, वह सीधे सूची में दिए गए नंबरों पर संपर्क कर रक्त प्राप्त कर सकता है। इस प्रयास से रोगियों को इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें समय पर रक्त मिल सकेगा। यदि कोई व्यक्ति या समाजसेवी रक्त-मित्र बनना चाहता है, तो वह डायरेक्ट्री में दिए गए क्त्र कोड को स्कैन कर गूगल फॉर्म भर सकता है। साथ ही, कलेक्टर एवं अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस जिला मुख्यालय, जशपुर (कलेक्ट्रेट परिसर, कक्ष क्रमांक 122) में संपर्क कर भी रक्त-मित्र के रूप में पंजीयन कर सकता है।

इस गरिमामय कार्यक्रम में सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगाँव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रशांत कुशवाहा, रेडक्रॉस सोसायटी के श्री रूपेश प्राणी ग्राही, अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)